RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से सरोकार

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक-196 | जयपुर, बुधवार, 14 जनवरी 2026 | मूल्य-4 रूपये

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- जो कुत्तों को लेकर चिंतित, वे अपने घर ले जाएं, उन्हें ऐसे नहीं छोड़ सकते

‘डॉग बाइट’ पर तय कर सकते हैं सरकार और खाना खिलाने वाले की जवाबदेही: सुप्रीम कोर्ट

कुत्ते के काटने पर भारी मुआवजा तय होगा

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आवारा कुत्तों के हमलों पर सख्त टिप्पणी की। अदालत ने कहा, ‘बच्चों या बुजुर्गों को कुत्तों के काटने, चोट लगने या मौत के हर मामले में हम राज्य सरकारों से भारी मुआवजा दिलवाएंगे, क्योंकि उन्होंने पिछले 5 सालों में नियमों को लागू करने के लिए कुछ नहीं किया।’ कोर्ट ने कहा, ‘आवारा कुत्तों को खाना खिलाने वालों की भी जिम्मेदारी तय की जाएगी। अगर आपको इन जानवरों से इतना प्यार है, तो इन्हें अपने घर क्यों नहीं ले जाते। ये कुत्ते सड़कों पर क्यों घूमते रहें, लोगों को काटें और डराएं। उन्हें हम ऐसे ही नहीं छोड़ सकते।’

जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने कहा, ‘कुत्तों में एक खास तरह का वायरस होता है, जिसका कोई इलाज नहीं है। अब तक चार दिन की सुनवाई में इमोशन सिर्फ कुत्तों के लिए ही दिख रही है। जब कुत्ते 9 साल के बच्चे पर हमला करते हैं तो उसका जिम्मेदार कौन होगा? क्या हम इसपर आंखें मूंद लें।’ इस मामले में अब अगली सुनवाई 20 जनवरी को दोपहर 2 बजे से होगी।

पालतू जानवर रखना चाहते हैं, तो लाइसेंस लें

जस्टिस मेहता ने कहा- अगर कोई आवारा कुत्ता किसी पर हमला कर दे तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? इस पर वकील ने कहा- स्वयंसेवी संस्थाओं के लिए जिम्मेदारी तय की जा सकती है। जस्टिस मेहता ने कहा- आवारा कुत्ता किसी के कब्जे में नहीं होना चाहिए। अगर आप पालतू जानवर रखना चाहते हैं, तो लाइसेंस लें।

अधिकारियों की निष्क्रियता से समस्या 1000 गुना बढ़ी

सुप्रीम कोर्ट में दो एनिमल ट्रस्ट का पक्ष रखते हुए एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी ने कहा- यह एक इमोशनल मामला है। इस पर जस्टिस मेहता ने कहा- अब तक तो ऐसा लगता है कि इमोशन सिर्फ कुत्तों के लिए ही हैं। गुरुस्वामी ने कहा- ऐसा नहीं है। मैं इंसानों के बारे में भी उतनी ही चिंतित हूं।

जस्टिस मेहता ने कहा- शुक्र है! आप सभी हमें अधिकारियों से सवाल करने की इजाजत दें, ताकि हम प्रक्रिया शुरू कर सकें। सभी एक ही बात दोहरा रहे हैं। हमें आदेश पारित करने दें। हमें अधिकारियों से जवाब लेने में आधा दिन लग जाता है। उनकी निष्क्रियता के कारण समस्या 1000 गुना बढ़ गई है। यह एक अदालती कार्यवाही के बजाय एक सार्वजनिक मंच बन गया है।

एक एनिमल वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट विकास सिंह ने कहा- इसे जानवर बनाम इंसानों का मुद्दा मानिए। 2025 में सांप के काटने से 50,000 से अधिक लोगों की मौत हुई। चूहों को कंट्रोल करने के लिए कुत्ते जरूरी हैं। इकोसिस्टम में बैलेंस बनाए रखना होगा। काटना कुत्तों से जुड़े मामलों का बस एक हिस्सा है। इकोसिस्टम में उनकी भूमिका पर विचार किया जाना चाहिए।

एक अन्य वकील, पिंकी आनंद ने कहा- लोगों पर कुत्तों ने हमला किया है, लेकिन प्रावधानों में यह कहा गया है कि जानवरों के साथ दयालुता से पेश आना चाहिए। टीबी जैसी बीमारी को खत्म करने के लिए हमने पॉलिसी बनाई। हमने टीबी से पीड़ित लोगों को खत्म नहीं किया। आज हमारे पास सिर्फ 77 ABC केंद्र हैं। यदि कुत्तों को वापस नहीं लाया गया, तो और भी हिंसक कुत्ते आ जाएंगे। जवाबदेही तय होनी चाहिए।

डीआरआई ने 81 करोड़ की एमडी ड्रग्स पकड़ी, 6 गिरफ्तार

मुर्गी के फीड के कट्टों के बीच 270 किलो जब्त

जयपुर

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने स्थानीय पुलिस की मदद से डीडवाना-कुचामन स्टेट हाईवे पर नाकाबंदी कर 81 करोड़ की एमडी ड्रग्स पकड़ी। एक ट्रक में मुर्गी के फीड के कट्टों के बीच 270 किलोग्राम एमडी ड्रग्स भरकर तस्करी के लिए ले जाई जा रही थी। सिक्योरिटी एजेंसियों के साथ मिलकर कार्रवाई के दौरान पकड़े गए संदिग्धों से डीआरआई पूछताछ कर रही है।

डीआरआई ने रविवार देर रात यह कार्रवाई डीडवाना-कुचामन इलाके के एक टोल नाके के पास की। दिल्ली की डीआरआई टीम करीब 2 महीने से कार्रवाई के लिए लगी हुई थी।

टीम ने गाड़ी में सवार तस्करों सहित 6 आरोपियों को डिटेन किया है। ये आरोपी कुलदीप, अंकित, सज्जन कुमार, मनदीप, बलविंद्र, अजीत सिंह हरियाणा के रहने वाले हैं। इन सभी आरोपियों को मंगलवार को सीकर के डीजे कोर्ट में पेश किया गया।

पहले फैक्ट्री पर दबिश दी

जानकारी के अनुसार दिल्ली की डीआरआई टीम करीब 2 महीने से कार्रवाई के लिए लगी हुई थी। टीम ने सबसे पहले हरियाणा स्थित एक फैक्ट्री पर दबिश दी। यहां से डीआरआई ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया।

उनसे पूछताछ में सामने आया कि फैक्ट्री से माल किसी दूसरे स्टेट में सप्लाई होने के लिए बड़ी मात्रा में निकला है। ऐसे में टीम ने पीछा करना शुरू किया। इसके बाद 11 जनवरी से 12 जनवरी के बीच देर रात को टीम ने डीडवाना कुचामन इलाके के एक टोल टैक्स के पास महाराष्ट्र नंबर के ट्रक को रुकवाया। टीम को ट्रक में मुर्गी के फीड के कट्टों के बीच 270.30 किलोग्राम MDMA ड्रग्स नौ कट्टों में भरा हुआ मिला। इसे जब्त करते हुए डीआरआई ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार मादक पदार्थ मध्य प्रदेश में सप्लाई होने के लिए जा रहा था। वहीं आरोपी दूसरे राज्यों के रहने वाले हैं। जो पहले भी इस तरह की तस्करी में शामिल रह चुके हैं। आरोपी जब तस्करी के लिए निकलते हैं तो एक गाड़ी एस्कॉर्ट में रहती है। कार्रवाई में पुलिस ने दो आरोपी एस्कॉर्ट करने वाले, एक ट्रक चालक और खलासी और दो फैक्ट्री संचालकों को पकड़ा है।

लंदन में 14 साल की सिख लड़की का गैंगरेप कराया

लुधियाना

लंदन में पाकिस्तानी ग्रूमिंग गैंग द्वारा सिख लड़की (14) को प्रेम जाल में फंसाकर यौन शोषण का मामला सामने आया है। लड़की को पाकिस्तानी ग्रूमिंग गैंग ने पहले अगवा किया और फिर फ्लैट में बंद कर 5-6 लोगों से उसका रेप कराया। लड़की ने भागने की कोशिश भी की, लेकिन उसे डराकर चुप करा दिया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जैसे ही इस घटना के बारे में लंदन में रहने वाले सिखों को पता चला तो वे आरोपी के फ्लैट के बाहर पहुंचे और जमकर हंगामा किया। जैसे-जैसे मामले का पता अन्य सिखों को चलता रहा, आरोपी के फ्लैट पर भीड़ बढ़ती गई। कुछ ही देर में वहां 200 से ज्यादा सिख पहुंच गए और कई घंटे हंगामा किया। इसके बाद सभी ने मिलकर लड़की को रिहा करवा लिया। सिखों का आरोप है कि वेस्ट लंदन में इस तरह छोटी बच्चियों को अगवा करके उनका यौन शोषण करने की घटनाएं आम होने लगी हैं। इस मामले से जुड़ी दो पोस्ट और वीडियो डेविड आथर्टन नाम के यूजर्स की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर डाले गए। हाल ही में इंग्लैंड में इस तरह के मामले बढ़े हैं।

भ्रष्टाचार कानून पर सुप्रीम कोर्ट जज एकमत नहीं

बड़ी बेंच करेगी सुनवाई

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार विरोधी कानून के 2018 के एक प्रावधान की सांविधानिक वैधता पर खंडित फैसला सुनाया है, जिसमें भ्रष्टाचार के मामले में किसी सरकारी कर्मचारी के खिलाफ जांच शुरू करने से पहले मंजूरी लेना जरूरी है। भ्रष्टाचार निवारण कानून 1988 से जुड़े इस मामले में न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए असांविधानिक है। इसे निरस्त किया जाना चाहिए।

इससे जांच बाधित होती है: जस्टिस नागरत्ना

वहीं ‘पूर्व स्वीकृति अनिवार्य’ होने पर सवाल खड़े करते हुए जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि ये शर्त भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की भावनाओं के खिलाफ है। इससे जांच बाधित होती है। कानून के ऐसी धाराओं से भ्रष्ट लोगों को संरक्षण मिलता है। हालांकि मुकदमे की सुनवाई कर रही इस खंडपीठ में शामिल एक अन्य न्यायमूर्ति ने कानून की इस धारा को सांविधानिक बताया।

धारा 17ए सांविधानिक प्रावधान: विश्वनाथन

न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन ने अपने हिस्से के फैसले में लिखा, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए सांविधानिक प्रावधान है। उन्होंने कहा कि कानून के इस प्रावधान से ईमानदार अधिकारियों की सुरक्षा होती है, जिस पर जोर दिया जाना आवश्यक है। एक तरफ जहां जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17 असांविधानिक है और इसे खत्म किया जाना चाहिए, तो वहीं जस्टिस केवी विश्वनाथन ने इस प्रावधान को संवैधानिक बताया और ईमानदार अधिकारियों की सुरक्षा की जरूरत पर जोर दिया। ऐसे में अब इस मामले को भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के सामने रखा जाएगा ताकि अंतिम फैसले के लिए मामले की दोबारा सुनवाई के लिए एक बड़ी बेंच बनाई जा सके।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17, जिसे जुलाई 2018 में पेश किया गया था, किसी भी लोक सेवक के खिलाफ आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन में की गई सिफारिशों के लिए सक्षम प्राधिकारी से पहले मंजूरी के बिना किसी भी ‘पूछताछ या जांच’ पर रोक लगाती है।

चाइनीज मांझे से कटा बच्चे का गाल

एक बुजुर्ग की गर्दन पर भी कट लगा

कोटा

कोटा में मंगलवार को दो अलग-अलग घटनाओं में बाइक सवार एक बच्चा और बुजुर्ग चाइनीज मांझे से घायल हो गए। इससे बुजुर्ग के गले तो बच्चे के गाल पर कट लग गया। दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया। केशवपुरा फ्लाईओवर पर जाते समय बाइक सवार बुजुर्ग की चाइनीज मांझे से गर्दन पर कट लग गया। बुजुर्ग को मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर जाया गया, जहां उनकी गर्दन में टांके लगाए गए हैं।

मामले के अनुसार केशवपुरा फ्लाईओवर पर 70 साल के रमेश राठौर बाइक से जा रहे थे। इस दौरान चाइनीज मांझा से उनकी गर्दन पर कट लग गया। रमेश के गले से खून बहने लगा। इसी दौरान वहां से मेडिकल कॉलेज के कर्मचारी गिर्राज गौतम निकल रहे थे। वे घायल को लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे और अस्पताल पहुंचाया।

संजय नगर इलाके में एक बच्चे के गाल पर चाइनीज मांझे से कट लग गया। करीब 8 साल का बच्चा पिता के साथ बाइक पर बैठकर संजय नगर जा रहा था। बच्चा बाइक पर आगे बैठा था। अचानक मांझा से उसका गाल कट गया। यह देख उसके साथ मौजूद पिता के होश उड़ गए। उसे तुरंत एमबीएस अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसके टांके लगाए।

शिक्षक के ट्रांसफर से नाराज छात्र सर्दी में रातभर धरने पर बैठे

भीलवाड़ा

भीलवाड़ा में एक शिक्षक (लेक्चरर) के ट्रांसफर से नाराज बच्चे धरने पर बैठ गए। 8 डिग्री तापमान के बीच स्टूडेंट ने पूरी रात धरना स्थल पर गुजारी। बच्चों का धरना मंगलवार को भी जारी है।

मामला नंदराय कस्बे के राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक स्कूल का है। यहां कार्यरत भूगोल के लेक्चरर शंकरलाल जाट का 11 जनवरी को ट्रांसफर कर दिया गया था। इससे नाराज छात्र सोमवार शाम 4 बजे धरने पर बैठ गए।

जब कोई सुनवाई करने नहीं पहुंचा तो रात में उन्होंने वहीं पर खाना खाया। इसके बाद स्कूल के बाहर ही टेंट और बिस्तर लगाकर सो गए। सुबह स्कूल के अन्य छात्र-छात्राएं भी प्रदर्शन में शामिल हो गए। पेरेंट्स और ग्रामीणों ने भी उनका साथ दिया। खास बात यह है कि शंकरलाल ने साल 2025 में बोर्ड एग्जाम में 90% से ज्यादा अंक लाने वाले 5 स्टूडेंट को जयपुर से दिल्ली की हवाई यात्रा कराई थी। इसका खर्च खुद शंकरलाल ने उठाया था। स्कूल में करीब 600 स्टूडेंट्स हैं। मंगलवार सुबह बड़ी संख्या में दूसरे छात्र और छात्राएं भी वहां पहुंच गए। स्कूल के ताला लगाकर स्टूडेंट्स धरने पर बैठे गए। सुबह का नाश्ता और लंच भी स्कूल के बाहर किया।

राजस्थान में 7 मार्च से फाइनल एग्जाम

बीकानेर। राजस्थान के सरकारी और निजी स्कूलों में कक्षा 9 और 11 की वार्षिक परीक्षाएं 7 मार्च 2026 से शुरू होंगी। शिक्षा विभाग ने राज्य स्तरीय समान परीक्षा योजना के तहत सत्र 2025-26 का विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। परीक्षाएं दो पारियों में आयोजित होंगी। प्रथम पारी सुबह 8:30 से 11:45 बजे तक और द्वितीय पारी दोपहर 1:00 से 4:15 बजे तक होगी। जारी टाइम-टेबल के अनुसार 7 मार्च को कक्षा 9 की अंग्रेजी और कक्षा 11 की ‘आजादी के बाद का स्वर्णिम भारत’ विषय की परीक्षा होगी।

आर्मी चीफ बोले- पाकिस्तान बॉर्डर पर 8 आतंकी कैंप एक्टिव

ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है, किसी भी दुस्साहस का जवाब दिया जाएगा

नई दिल्ली

आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। भविष्य में किसी भी तरह के आतंकी या सैन्य दुस्साहस के लिए हम पूरी तरह तैयार है। भारत पूरी ताकत से जवाब देगा।

जनरल द्विवेदी ने बताया कि बॉर्डर के पास 8 आतंकी कैंप अभी भी सक्रिय हैं। अगर कोई हरकत होती है तो एक्शन लिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर, थलसेना, वायुसेना और नौसेना के तालमेल का बेहतरीन उदाहरण है। ऑपरेशन सिंदूर में 100 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए।

रविवार को बॉर्डर के पास ड्रोन देखे जाने के सवाल पर आर्मी चीफ बोले- वे बहुत छोटे ड्रोन हैं। ये लाइट जलाकर उड़ते हैं। बहुत अधिक ऊंचाई पर नहीं उड़ते और बहुत कम ही दिखाई दिए हैं। 10 जनवरी को लगभग 6 ड्रोन देखे गए, जबकि 11 और 12 जनवरी को 2 से 3 ड्रोन दिखाई दिए।

हाल में देखे गए ड्रोन रक्षात्मक ड्रोन थे, जो यह देखने की कोशिश कर रहे थे कि कोई कार्रवाई तो नहीं हो रही है। वे जांचना चाहते हैं कि भारतीय सेना कहीं कोई कमी या ढिलाई तो नहीं कर रही, जिससे वे आतंकियों को भेज सकें।

7 मई को 22 मिनट की शुरुआती कार्रवाई और 10 मई तक 88 घंटे तक चले समन्वित अभियान ने रणनीतिक समीकरणों को बदल दिया। इस दौरान आतंकी ढांचे पर अटैक किए गए। 9 में से 7 लक्ष्यों को नष्ट किया गया। पाकिस्तान की पुरानी परमाणु धमकी की रणनीति को कमजोर किया गया।

2025 में 31 आतंकवादियों को मार गिराया गया, जिनमें ज्यादातर पाकिस्तानी थे। इनमें पहलगाम हमले के के आतंकी भी थे, जिन्हें ऑपरेशन महादेव में मार गिराया गया।

जम्मू-कश्मीर में सकारात्मक बदलाव दिख रहे हैं। विकास के काम तेज हुए हैं। पर्यटन लौट रहा है और अमरनाथ यात्रा शांतिपूर्ण रही। 2025 में 4 लाख से ज्यादा श्रद्धालु आए, जो पिछले पांच साल के औसत से ज्यादा है। आतंक से पर्यटन की ओर बढ़ने की प्रक्रिया अब धीरे-धीरे आकार ले रही है।

क्विक कॉमर्स पर सख्ती: 10 मिनट की डिलीवरी डेडलाइन खत्म

ब्लिंकिट ने हटाया ‘10 मिनट में डिलीवरी’ का दावा, जेप्टो, स्विगी-जोमैटो भी टाइम लिमिट हटाएंगे

नई दिल्ली

भारत के तेजी से बढ़ते क्विक कॉमर्स सेक्टर में एक बड़े नीतिगत बदलाव के तहत, केंद्र सरकार ने ‘10 मिनट की डिलीवरी’ की अनिवार्य समय सीमा को समाप्त करने का निर्देश दिया है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया के हस्तक्षेप के बाद, ब्लिंकिट, जेप्टो, जोमैटो और स्विगी जैसे प्रमुख एग्रीगेटर्स ने इस दबावपूर्ण डेडलाइन को हटाने पर सहमति व्यक्त की है। यह कदम सीधे तौर पर लाखों ‘गिग वर्कर्स’ की सुरक्षा और उनके कामकाजी हालातों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने हाल ही में ब्लिंकिट, जेप्टो, स्विगी और जोमैटो के टॉप अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की थी। इस बैठक में डिलीवरी पार्टनर्स की सेफ्टी और उन पर पड़ने वाले मानसिक दबाव पर चर्चा हुई। मंत्री ने कंपनियों को सलाह दी कि वे डिलीवरी के लिए तय की गई सख्त समय सीमा को खत्म करें, क्योंकि इसकी वजह से राइडर्स ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करते हैं और दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं। श्रम मंत्री ने बैठक में स्पष्ट किया कि कंपनियों का बिजनेस मॉडल वर्कर्स की जान जोखिम में डालकर नहीं चलना चाहिए।

10 मिनट जैसी समय सीमा न केवल राइडर्स के लिए खतरनाक है, बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों के लिए भी जोखिम पैदा करती है।

सरकार अब गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा और बेहतर कार्य स्थितियों पर एक व्यापक पॉलिसी बनाने की तैयारी में है।

कंपनियों ने सरकार को आश्वासन दिया

बैठक के बाद सभी प्रमुख क्विक कॉमर्स और फूड डिलीवरी कंपनियों ने सरकार को आश्वस्त किया कि वे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और विज्ञापनों से ‘टाइम-बाउंड डिलीवरी’ के दावों को हटा लेंगे।

ब्लिंकिट ने इसकी शुरुआत करते हुए अपने लोगो और एप इंटरफेस से 10 मिनट वाले टैग को हटाना शुरू कर दिया। कंपनियों का कहना है कि वे अब ‘फास्ट डिलीवरी’ पर फोकस करेंगी, न कि किसी फिक्स्ड टाइमिंग पर।

पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया और कई मंचों पर 10-15 मिनट की डिलीवरी सर्विस की आलोचना हो रही थी। विशेषज्ञों का मानना था कि इतने कम समय में डिलीवरी का दबाव राइडर्स को तेज गाड़ी चलाने और रेड लाइट जंप करने के लिए मजबूर करता है। सड़क सुरक्षा से जुड़े संगठनों ने भी सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की थी।

अब ये कंपनियां अपनी मार्केटिंग स्ट्रैटजी में बदलाव करेंगी। अब तक ‘10 मिनट’ इन कंपनियों का सबसे बड़ा यूएसपी हुआ करता था। हालांकि, कंपनियों ने स्पष्ट किया है कि वे अपनी ऑपरेशनल एफिशिएंसी (कार्यक्षमता) को कम नहीं करेंगी, लेकिन विज्ञापनों के जरिए ग्राहकों में ऐसी उम्मीद नहीं जगाएंगी जिससे राइडर्स पर दबाव बने।

जालोर में 200 ट्रैक्टर से एसडीएम ऑफिस को घेरा

ग्रामीण बोले-झाब से पंचायत समिति हटाकर अपने घर भादरूणा ले गए विधायक

सांचौर

जालोर के चितलवाना में ग्रामीणों ने 200 ट्रैक्टर के साथ उपखंड कार्यालय का घेराव किया। ग्रामीणों ने झाब पंचायत समिति का मुख्यालय बदलने के विरोध में जमकर नारेबाजी की।

ग्रामीणों ने कहा कि वे 14 दिन से प्रदर्शन कर रहे हैं। विधायक झाब से पंचायत समिति हटवाकर अपने क्षेत्र भादरूणा ले गए हैं। जब तक पंचायत समिति का मुख्यालय भादरूणा से हटाकर झाब नहीं किया जाता तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा। इसी दौरान एक ज्ञापन एसडीएम को भी सौंपा है।

इससे पहले ग्रामीण झाब में इकट्ठा हुए। यहां से ट्रैक्टर-ट्रॉली में बैठकर चितलवाना रवाना हुए। पुलिस ने स्थिति नियंत्रित करने के लिए उपखंड कार्यालय का मुख्य गेट बंद करने का प्रयास किया। लेकिन ग्रामीणों के विरोध के बाद पुलिस पीछे हट गई।

ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया- पहले पंचायत समिति घोषित कर बाद में उसका मुख्यालय बदलना क्षेत्र की जनता के साथ विश्वासघात है। इससे झाब क्षेत्र के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्हें प्रशासनिक कार्यों के लिए अनावश्यक दूरी तय करनी पड़ेगी।

ग्रामीण काछबा राम ने बताया- पहले झाब को पंचायत समिति बनाया गया था। सरकार ने ये निर्णय सभी मापदंडों को ध्यान में रखते हुए लिया गया था। पता नहीं फिर क्या घुसपैठ हुई। निर्दलीय विधायक जीवाराम जी ने झाब से पंचायत समिति हटाकर भादरूणा कर दिया। हमने जीवाराम जी को समर्थन दिया था, लेकिन वे पंचायत समिति हटाकर अपने घर ले गए।

झारखंड में सात साल के बच्चे को चोरी के आरोप में पेड़ से बांधकर पीटा

रांची (एजेंसी)। झारखंड के रामगढ़ जिले के पतरातू थाना क्षेत्र में 9 जनवरी को सात साल के एक बच्चे को चोरी के संदेह में पेड़ से बांधकर पीटने का मामला सामने आया। घटना का 20 सेकंड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। वीडियो में नाबालिग के हाथ-पैर बंधे दिखाई दे रहे हैं और उसे पीटा जा रहा है। पुलिस ने मुख्य आरोपी बबलू प्रसाद उर्फ टीकाधारी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा। पुलिस का कहना है कि घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। पीड़ित के बड़े भाई की शिकायत के आधार पर भारतीय दंड संहिता और पास्को अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया कि बबलू प्रसाद और दो अन्य लोगों ने बच्चे को रोका और चोरी के आरोप में उस पर हमला किया। यह घटना बच्चों के खिलाफ हिंसा और नाबालिग सुरक्षा की गंभीरता को उजागर करती है।

खटीमा में बाघ के हमले में ग्रामीण की मौत

देहरादून (एजेंसी)। सुरई रेंज के बग्गा 54 क्षेत्र में रविवार की देर रात एक बाघ ने 52 वर्षीय शेर सिंह कन्याल पर हमला कर दिया, जिसमें उनकी मौत हो गई। शेर सिंह चकरपुर लाइन, बग्गा चौहान के निवासी थे। घटना की सूचना मिलने पर उप निरीक्षक लक्ष्मण जोशी और उनका दल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने देखा कि शव पर बाघ के नाखून और दांत के निशान थे और दाहिना कुल्हा बाघ द्वारा खाया गया था। घटना से गांव में हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सुरक्षित मोर्चरी में रखवाया। अधिकारी मामले की तफ्तीश और बाघ की गतिविधियों पर निगरानी कर रहे हैं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

कश्यप समाज के युवक की हत्या पर अखिलेश और मायावती ने निंदा कर जताई नाराजगी

लखनऊ(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने मेरठ के सरधना इलाके में एक युवक की हत्या के मामले पर नाराजगी जताई है। यह घटना करीब एक सप्ताह पहले की है और पुलिस ने बताया कि इस मामले के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। अखिलेश यादव ने एक्स पर कहा कि दबंगों ने सरधना क्षेत्र के ज्वालागढ़ में कश्यप समाज के एक युवक की हत्या का जो 'कुकृत्य किया है, उसके लिए हम पूरे पीडीए समाज की तरफ से आवाज उठाते हैं। वहीं बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी एक्स पर कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग के अंतर्गत आने वाले कश्यप समुदाय के युवक की हत्या की कड़ी निंदा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे असामाजिक एवं आपराधिक तत्वों को कानून का डर होना जरूरी है। इस बीच अखिलेश यादव और मायावती के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए मेरठ पुलिस ने कहा कि यह मामला हाल का नहीं है और हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर घटना के 24 घंटे के अंदर मामले को सुलझा लिया गया था। उन्होंने बताया कि आरोपी नाबालिग है, जिसे किशोर न्याय बोर्ड के सामने पेश कर बाल सुधार गृह भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि यह घटना पिछले सोमवार को अक्खेपुर-राधना रोड पर हुई थी। मृतक की पहचान मुजफ्फरनगर शहर के मोहल्ला किला निवासी रोहित उर्फ सोनू (28) के रूप में हुई थी। शुरुआती जांच में सामने आया कि टेंपो में तेज आवाज में गाना बजाने को लेकर हुए विवाद के बाद 16 साल के टेंपो चालक ने रोहित की हत्या कर दी थी। सरधना के सीओ ने बताया कि आरोपी ने पहले रोहित से दोस्ती की, फिर उसे शराब पिलाई और खुद 'एनर्जी ड्रिंक' पी और बाद में उसने ईंट से रोहित के सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि पहचान छिपाने के लिए आरोपी ने शव को करीब 15 मीटर तक स्कूल की दीवार के पास एक जगह तक घसीटा और कपड़े, सूखे पत्तों एवं तेल का इस्तेमाल करके उसमें आग लगा दी। घटना की जानकारी तब हुई जब स्कूल के चौकीदार ने सोमवार रात आग जलती देखी और पुलिस को इसकी सूचना दी। अगले दिन शव की पहचान रोहित के रूप में हुई। परिजनों के मुताबिक रोहित मुंबई में हलवाई का काम करता था और शादी के लिए लड़की देखने गांव आया था। पुलिस ने शराब के पाउच पर लगे बारकोड और ठेके के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की और हत्याकांड का खुलासा किया।

चारा लेने मां-दादी के साथ जा रही मासूम पर कुत्तों ने नोंच-नोंच कर हाथ कर दिया अलग

संभल (एजेंसी)। यूपी के संभल में आवारा कुत्तों का झुंड मासूम बच्ची पर टूट पड़ा। कुत्तों ने बच्ची को बुरी तरह नोंचकर मार डाला। ये घटना रविवार शाम को तब हुई जब बच्ची अपनी मां के साथ चारा लेने जा रही थी। तभी अचानक आवारा कुत्तों का झुंड उस पर टूट पड़ा। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर जब तक घरवाले मौके पर पहुंचे, तब तक कुत्ते उसका एक हाथ काटकर अलग कर चुके थे। गंभीर हालत में बच्ची को जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह पूरा मामला थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र के गांव पोटा का है। जानकारी के मुताबिक पोटा गांव के रहने वाले विनोद उर्फ बंटी की 9 साल की बेटी रिया गौतम प्राथमिक विद्यालय में कक्षा में पढ़ती थी। रिया मां ममता और दादी के साथ बकरी और भैंसों के लिए चारा लेने जा रही थी। मां और दादी थोड़ा आगे निकल गई जबकि रिया पीछे-पीछे आ रही थी। इसी बीच अचानक आवारा कुत्तों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। चीख-पुकार सुनकर बच्ची की मां और दादी दौड़ी और हमलावर कुत्तों को भागने की कोशिश की, लेकिन कुत्ते उसे बुरी तरह नोच-खसोट करते रहे। आसपास मौजूद और खेतों पर काम कर रहे लोग शोर-शराबा सुनकर वहां पहुंचे और बमुश्किल बच्ची को कुत्तों के चुंगल से बचाया, लेकिन तब तक बच्ची बुरी तरह जख्मी हो चुकी थी। काफी देर तक रिया के कटे हुए हाथ को ढूंढा गया, लेकिन वह नहीं मिला। ग्रामीणों का कहना है कि यहां पिछले कई महीनों से आवारा कुत्तों का आतंक जारी है। अब तक करीब दो दर्जन लोगों को काट चुके हैं। शिकायत के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। पुलिस का कहना है कि गांव पोटा में एक बच्ची के ऊपर आवारा कुत्तों द्वारा हमला कर दिया था। हमले में बच्ची की मौत हो गई है। पुलिस विधिक कार्रवाई कर रही है।

एससी/एसटी आरक्षण क्रीमी लेयर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को जारी किया नोटिस

-आरक्षण व्यवस्था में क्रीमी लेयर लागू करने जनहित याचिका पर सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) आरक्षण व्यवस्था में 'क्रीमी लेयर' लागू करने की मांग से जुड़ी एक जनहित याचिका पर केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया है। शीर्ष अदालत ने इस मामले में सभी पक्षों से जवाब तलब करते हुए कहा है कि वह याचिका में उठाए गए संवैधानिक और सामाजिक पहलुओं पर विचार करेगी।

यह जनहित याचिका अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर की गई है। याचिका में तर्क दिया गया है कि आरक्षण का लाभ वास्तव में उन लोगों तक पहुंचना चाहिए, जो आज भी सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से पिछड़े हुए हैं। याचिकाकर्ता का कहना है कि एससी/एसटी वर्ग के कुछ परिवार अब सरकारी सेवाओं, प्रशासनिक पदों और संवैधानिक पदों में प्रतिनिधित्व हासिल कर चुके हैं और वे सामाजिक रूप से सशक्त हो गए हैं। ऐसे में उनके बच्चों को आरक्षण का लाभ मिलते रहना समानता के अधिकार के विपरीत है।

याचिकाकर्ता ने यह भी मांग की है कि जिन एससी/एसटी परिवारों में माता-पिता या अभिभावक केंद्र या राज्य सरकार की ग्रुप-ए या ग्रुप-बी सेवाओं में कार्यरत हैं, या जो संवैधानिक पदों पर रहे हैं, उनके बच्चों को आरक्षण के दायरे से बाहर किया जाए। याचिकाकर्ता के अनुसार, इससे आरक्षण का लाभ उन परिवारों तक पहुंचेगा, जो अब भी हाशिये पर हैं और जिन्हें इसकी वास्तविक जरूरत है।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से यह दलील दी गई कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए पहले से ही 'क्रीमी लेयर' का सिद्धांत लागू है, ताकि संपन्न वर्ग आरक्षण का अनुचित लाभ न उठा सके। ऐसे में समानता के संवैधानिक सिद्धांत के तहत एससी/एसटी आरक्षण में भी इस व्यवस्था पर विचार किया जाना चाहिए।

हालांकि, इससे पहले कई मामलों में सुप्रीम कोर्ट यह स्पष्ट कर चुका है कि एससी/एसटी आरक्षण का आधार ऐतिहासिक सामाजिक भेदभाव और छुआछूत रहा है, न कि केवल आर्थिक पिछड़ापन। ऐसे में इस मुद्दे पर अदालत का रुख हमेशा संवेदनशील और संतुलित रहा है।

बंगाल में एक और बीएलओ की गई जान, परिवार का आरोप- काम का था ज्यादा दबाव

-टीएमसी विधायक बोले- चुनाव आयोग एसआईआर प्रक्रिया में कर रहा जल्दबाजी

कोलकाता (एजेंसी)। एसआईआर को लेकर विवाद खत्म होने के नाम नहीं ले रहा है। मुर्शिदाबाद जिले के एक प्राथमिक विद्यालय में बीएलओ का शव फंदे से मिला। बीएलओ के परिवार का आरोप है कि एसआईआर को लेकर काम के अत्यधिक दबाव के कारण उन्होंने खुदकुशी की है। 4 नवंबर को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के बाद से अब तक आठ बीएलओ की मौत हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रानीतला पुलिस ने बताया कि मृतक हमीमुल इस्लाम (47) जो पैकमरी चार कृष्णपुर बॉयज प्राइमरी स्कूल में शिक्षक और खारिबोना ग्राम पंचायत के अंतर्गत पुरबा अलापुर गांव में एक बूथ पर बीएलओ थे। उन्होंने बताया कि यह घटना शनिवार देर रात पैकमरी चार इलाके में लोगों के संज्ञान में आई। मृतक के परिवार वालों ने आरोप लगाया कि हमीमुल शनिवार सुबह स्कूल जाने के लिए घर से निकले थे, लेकिन दोपहर तक वापस नहीं लौटे। पुलिस ने बताया कि काफी खोजबीन के बाद शनिवार रात को विद्यालय परिसर के एक कमरे में उनका शव फंदे से लटका मिला। पुलिस अधिकारी के मुताबिक परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि शिक्षक और बीएलओ के रूप में अपनी दोहरी जिम्मेदारियों के कारण काम के बोझ से तनाव में था। मृतक हमीमुल के बड़े भाई फरमान-उल-कलाम ने कहा कि हाल के हफ्तों में एसआईआर से संबंधित कार्यों को पूरा करने का दबाव बढ़ गया था। वहीं भगबंगोला के टीएमसी विधायक रियाज हुसैन सरकार ने परिवार से मुलाकात की और आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग एसआईआर प्रक्रिया में जल्दबाजी कर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप बीएलओ पर दबाव पड़ रहा है जिससे वह तनाव में रहते हैं। वहीं पुलिस अधिकारी ने कहा कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने शनिवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को फिर से पत्र लिखकर एसआईआर के संबंध में आम नागरिकों और बीएलओ की मौतों पर चिंता जताई है।

राम मंदिर में नमाज पढ़ने की कोशिश करने वाला निकला मानसिक रोगी, पुलिस ने छोड़ा

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के राम मंदिर में नमाज पढ़ने की कोशिश करने वाला कश्मीरी व्यक्ति मानसिक रोगी निकला। वर्ष 2024 से उसका जम्मू मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। अयोध्या पुलिस व जांच एजेंसियों ने उसकी मेडिकल हिस्ट्री मंगवाई, तो इसकी जानकारी हुई। यही नहीं जम्मू पुलिस, सीआरपीएफ और अन्य खुफिया इकाइयों के माध्यम से उसका सत्यापन भी कराया। इसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। इसके बाद आरोपी को परिजनों को सौंप दिया गया है।

विदित हो कि राम मंदिर परिसर में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक कश्मीरी मुस्लिम व्यक्ति ने रामलला का दर्शन करने के बाद दक्षिणी परकोटे के पास नमाज पढ़ने की कोशिश करने लगा। इस दौरान मौके पर मौजूद सुरक्षा बलों ने उसे दबोच लिया था। उस पर धार्मिक नारे लगाने का आरोप भी लगा था। पूछताछ के दौरान उसकी पहचान अहद शेख निवासी शोपियां, जम्मू कश्मीर के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंचे विभिन्न जांच एजेंसियों के अधिकारियों ने उससे पूछताछ की थी। उसके पते का सत्यापन के लिए जम्मू कश्मीर पुलिस और वहां तैनात खुफिया विभाग के अधिकारियों से संपर्क साध कर किया गया था।

गहन जांच के बाद सभी एजेंसियां इस नतीजे पर पहुंची कि आरोपी मानसिक रूप से बीमार था। इस जांच में उसके परिवार वालों ने भी काफी सहयोग किया. उसके बेटे ने अपने पिता की पूरी मेडिकल हिस्ट्री भी जांच अधिकारियों को उपलब्ध कराई। अयोध्या पुलिस ने सीसीटीवी के माध्यम से अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन से राम मंदिर परिसर, गर्भगृह व दक्षिणी परकोटे तक पहुंचने की सभी एक्टिविटी को खंगाला है, जिससे भी कुछ हासिल नहीं हुआ। एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि परिजनों ने अहद शेख को मानसिक रूप से बीमार बताया गया था। अहद की मेडिकल रिपोर्ट के बाद उसे परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

भारत नहीं खरीदेगा एफ-35 और एसयू-57 लड़ाकू विमान, एफ5 सुपर राफेल खरीदने की तैयारी

-फ्रांसीसी राफेल एफ-5 में ओम्निरोल क्षमता जो एक ही उड़ान कई मिशन को देगा अंजाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ना तो अमेरिका से एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट खरीदेगा और ना ही रूसी एसयू-57 लड़ाकू विमान। भारत अब फ्रांस से ही 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदेगा। संख्या में कुछ अंतर हो सकता है, लेकिन 100 से ज्यादा राफेल की संभावना है। एक रिपोर्ट में कहा गया है भारत के लिए फ्रांसीसी राफेल एफ5 'सुपर राफेल' अपनी जगह पक्की कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एफ-5 में नया एम88 टी-रेक्स इंजन है, जिसकी वजह से ये 20 फीसदी ज्यादा थ्रस्ट जेनरेट करता है। इसके अलावा इसमें एडवांस एवियोनिक्स है और बिना स्टील्थ फाइटर जेट जितना मेंटिनेंस खर्च के ये एडवांस 4.5 जेनरेशन क्षमता देता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब जबकि अमेरिका और चीन जैसे देश छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान बना रहे हैं, उस वक्त एफ-5 की उपयोगिता पर सवाल उठ रहे हैं, खासकर भारत के लिए जिसका दुश्मन चीन है और जिसके पास दो तरह के पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान हैं और जो छठी पीढ़ी का लड़ाकू विमान बना रहा है। फिर भी भारत के लिए राफेल एक बेहतर विकल्प है, खासकर उस वक्त जब अमेरिकी एफ-35 खरीदा नहीं जा सकता और सुखोई-57 स्टील्थ फाइटर जेट पर विश्वास नहीं है।

कई रिपोर्ट्स में कहा गया है कि भारत शायद 20 राफेल एफ5 खरीद सकता है, जबकि बाकी राफेल एफ4 होंगे, जिनका मेक इन इंडिया के तहत प्रोडक्शन हो सकता है। ऐसी रिपोर्ट है कि 60 फीसदी प्रोडक्शन भारत में होगा। राफेल एफ5 लड़ाकू विमान एक ट्विन-जेट फाइटर एयरक्राफ्ट है जो एयरक्राफ्ट कैरियर से समुद्री फाइटर के तौर पर और जमीन पर आधारित फाइटर के तौर पर काम कर सकता है। राफेल ने अभी तक ओपन मार्केट में अच्छा प्रदर्शन किया है और यही वजह है कि राफेल के पास बहुत ऑर्डर्स हैं। राफेल एफ-5 की सबसे बड़ी खासियत इसकी ओम्निरोल क्षमता है, जिससे यह एक ही उड़ान में कई मिशन को अंजाम दे सकता है।

अमेरिकी की एक पत्रिका में कहा गया है कि पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर की तुलना में यह ज्यादा किफायती है, लेकिन ऐसा लगता नहीं है। राफेल लड़ाकू विमान को खरीदने से लेकर इसके मेटिनेंस में अच्छा खासा बजट लगता है।

राफेल एफ5 अपने 14 बाहरी हार्ड पॉइंट्स पर मजबूत हथियार सिस्टम युद्ध के दौरान ले जा सकता है। इनमें हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल, हीट-सीकिंग और रडार-सीकिंग हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल, एआईएम-9 साइडविंडर हीट-सीकिंग हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल, और हवा से हवा में मार करने वाले मिशन के लिए रडार-गाइडेड मिसाइल शामिल हैं। जो राफेल को अपने प्रतिद्वंदियों से काफी आगे ले जाती है। इसके अलावा एजीएम-84 हार्पून एंटी-शिप मिसाइल, स्टैंड-ऑफ क्रूज मिसाइल, हैमर एयर-टू-ग्राउंड बम, एएम-39 एक्सोसेट एंटी-शिप मिसाइल, साथ ही एयर-टू-सरफेस मिशन के लिए पारंपरिक और स्मार्ट बम होते हैं। इस एयरक्राफ्ट की बाहरी लोड उठाने की क्षमता 20,000 पाउंड से ज्यादा है। साथ ही राफेल में 2500 राउंड वाली एक पावरफुल नेक्सटर 30एम791 30एमएम तोप भी लगी है। यह फाइटर जेट एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड एरे आरबीई2 रडार से लैस है जो एक साथ 40 टारगेट को ट्रैक कर सकता है और एक साथ चार टारगेट पर हमला कर सकता है। राफेल का डेल्टा विंग और कैनार्ड कॉन्फिगरेशन, फ्लाई-बाय-वायर कंट्रोल के साथ मिलकर इसे जबरदस्त फुर्ती देता है। यह बिना रिफ्यूलिंग के 1000 किलोमीटर से ज्यादा की डीप-स्ट्राइक मिशन पर उड़ सकता है और आफ्टरबर्नर के साथ स्पीड से क्रूज कर सकता है। अमेरिका, भारत को एफ-35 लाइटनिंग-2 स्टील्थ, पांचवीं पीढ़ी के मल्टीरोल फाइटर देने की डील करके उसे लुभाने की कोशिश कर रहा था। लेकिन अब अमेरिका को मना कर दिया गया है। इसीलिए बहुत उम्मीद है कि फ्रांस के साथ राफेल फाइटर जेट के लिए डील हो जाए।

अन्नामलाई की राज ठाकरे को सीधी चुनौती... मैं मुंबई जरूर जाऊंगा, हिम्मत है तो पैर काटकर दिखाएं

मुंबई (एजेंसी)। तमिलनाडु के युवा बीजेपी नेता के. अन्नामलाई ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे द्वारा उन्हें दी गई धमकियों का करारा जवाब देकर कहा है कि वे मुंबई जरूर आएंगे और हिम्मत है, तब उनके पैर काटकर दिखाएं। सोमवार को चेन्नई में मीडिया से बात कर अन्नामलाई ने सवाल किया कि उन्हें धमकाने वाले आदित्य या राज ठाकरे कौन होते हैं। उन्होंने गर्व से खुद को एक किसान का बेटा बताकर कहा कि वे ऐसी धमकियों से डरने वाले नहीं हैं।

दरअसल राज ठाकरे ने हाल ही में अन्नामलाई पर रसमलाई वाला तंज कसा था, जिसके बाद कुछ एमएनएस समर्थकों ने अन्नामलाई के मुंबई आने पर उनके पैर काटने की धमकी दी थी। बीजेपी नेता अन्नामलाई ने इन धमकियों को अज्ञानता करार देकर कहा कि अगर वे डरते, तब अपने गांव में ही रहते। उन्होंने कहा कि मुंबई एक ग्लोबल लेवल का शहर है और उनके बयानों का गलत मतलब निकाला जा रहा है।

विवाद केवल अन्नामलाई तक सीमित नहीं रहा। मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने नक्शा दिखाकर आरोप लगाया कि पिछले 10 साल में केवल कारोबारी गौतम अडानी ही अमीर हुए हैं। इस पर मुंबई बीजेपी प्रमुख अमित साटम ने पलटवार कर राज और अडानी की एक पुरानी फोटो साझा की। बीजेपी नेता साटम ने फोटो को पोस्ट करते हुए राज ठाकरे के रुख को शर्म और पाखंड की पराकाष्ठा करार दिया। बीजेपी का तर्क है कि एक ओर राज ठाकरे अडानी से मिलते हैं और दूसरी तरफ उन पर आरोप लगा रहे हैं।

बीजेपी नेता के. अन्नामलाई ने राज और उनके समर्थकों के बयानों को पूरी तरह अज्ञानता से भरा बताया। उन्होंने तर्क दिया कि अगर वे कामराज को भारत का महान नेता कहते हैं, तब इसका मतलब यह नहीं कि वे तमिल नहीं रहे। इसी तरह, मुंबई को विश्व स्तरीय शहर बताने का मतलब यह नहीं है कि वे मराठियों के योगदान को नकार रहे हैं।

हिमाचल के बाजार में लगी भीषण आग, बच्चे समेत दो की मौत, 8 लापता, तलाश जारी

-सिलेंडर फटने से दमकल कर्मियों को आग बुझाने मुश्किलों का करना पड़ा सामना

सोलन (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में कई सिलेंडर फटने से अर्की के निचले बाजार में भीषण आग लगी। अब तक बच्चे समेत दो लोगों की मौत हो गई है, जबकि 8 लोग लापता बताए जा रहे हैं। इनमें चार बच्चे हैं। आग से सात साल के बच्चे को जिंदा निकाला, लेकिन उसकी अस्पताल में मौत हो गई। राहत और बचाव कार्य जारी है।

जानकारी के मुताबिक अर्की के निचले मेन बाजार में बीती रात को आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और एक के बाद एक कई दुकानें धू-धू कर जल गईं। आगजनी के बीच कई सिलेंडर भी फटे और बाजार में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तुरंत प्रशासन और दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने की जद्दोजहद की, लेकिन लगातार हो रहे ब्लास्ट के चलते दमकल कर्मियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इस अग्निकांड में करोड़ों रुपए की संपत्ति के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक जेसीबी मशीनों के जरिये अब मलबे में लापता आठ लोगों की तलाश की जा रही है। दोपहर एक बजे के करीद दूसरी डेडबॉडी मिली है। इससे पहले सुबह एक बच्चे की मौत हो गई थी जिसे आग से जिंदा बचाया गया था। डीसी सोलन ने बताया कि सोमवार अल सुबह 2 बजकर 45 मिनट पर अर्की बाज़ार के एक पुराने भवन में आग लग गई। उन्होंने कहा कि यह पुराना भवन लकड़ी का बना था और इस कारण आग बहुत तेज़ी से फैली। हालांकि आग पर काबू पा लिया गया है। डीसी ने बताया कि इस अग्निकांड में एक 8 साल के बच्चे प्रियांश की दुःखद मृत्यु हुई है। उन्होंने कहा कि मृतक के परिजनों को फौरी सहायता उपलब्ध करवाई गई है और अग्निकांड के जांच के आदेश दिए गए हैं। डीसी ने बताया कि अग्निकांड में दो लोग घायल हुए हैं। इनका उपचार अस्पताल में किया जा रहा है। अतिरिक्त उपायुक्त और प्रशासन एवं पुलिस की टीम घटना स्थल पर मौजूद हैं। यह दल पीड़ितों को वस्त्र एवं अन्य सहायता उपलब्ध करवाएगा। सीएम सुक्खू ने बताया कि आठ साल की बच्ची की मौत हुई है और कुछ लोगों के फंसने की सूचना है। स्थानीय विधायक संजय अवस्थी से उनकी फोन पर बात हुई है और वह मौके पर मौजूद हैं और फंसे हुए लोगों को निकालने की कोशिश की जा रही हैं और एसडीआरफ की टीम पहुंची हैं। सीएम ने कहा कि आग लगने के कारणों पर कहा कि अब तक यह पता नहीं चला है।

कड़ाके की ठंडः राजस्थान और कश्मीर में पारा शून्य से नीचे, दिल्ली में 13 साल का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के विशाल हिस्से में भीषण ठंड और शीतलहर का कहर लगातार जारी है। बर्फीली हवाओं और गिरते पारे ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक कड़ाके की ठंड से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है और कई राज्यों में येलो अलर्ट जारी कर दिया गया है।

इस सीजन में पहली बार देश की राजधानी दिल्ली में तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई। दिल्ली के आयानगर में न्यूनतम तापमान 2.9 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, जबकि पालम वेधशाला में तापमान 3.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पालम में पिछले 13 वर्षों में दर्ज किया गया यह सबसे कम तापमान है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले दो दिनों तक दिल्ली और आसपास के इलाकों में इसी तरह की भीषण शीतलहर बनी रहेगी। राजस्थान के कई हिस्सों में हालात और भी गंभीर हैं। मरुस्थलीय राज्य होने के बावजूद यहां के कुछ इलाकों में तापमान जमाव बिंदु से नीचे चला गया है। प्रतापगढ़ में न्यूनतम तापमान शून्य से 2 डिग्री सेल्सियस नीचे रिकॉर्ड किया गया, वहीं बाड़मेर में भी पारा शून्य से 1 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। भीषण शीतलहर के कारण सुबह के समय खेतों में बर्फ की चादर देखी जा रही है, जिससे आम जनजीवन के साथ-साथ खेती पर भी असर पड़ने की आशंका है।

पहाड़ी राज्यों की बात करें तो हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। कश्मीर घाटी वर्तमान में चिल्ला-ए-कलां के दौर से गुजर रही है, जो 40 दिनों की सबसे कठिन सर्दियों की अवधि होती है। इस दौरान घाटी में न्यूनतम तापमान अक्सर जमाव बिंदु से कई डिग्री नीचे रहता है। श्रीनगर में शनिवार रात तापमान शून्य से 5.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। अत्यधिक ठंड के कारण विश्व प्रसिद्ध डल झील और अन्य जल निकायों के किनारे जमने शुरू हो गए हैं। हालांकि, इस साल अब तक घाटी के मैदानी इलाकों में बर्फबारी नहीं हुई है, लेकिन आसमान साफ रहने और शुष्क मौसम के कारण रात की ठंड और अधिक बढ़ गई है। पंजाब और हरियाणा में भी स्थिति सामान्य नहीं है, यहाँ अधिकांश शहरों में तापमान जमाव बिंदु के करीब बना हुआ है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 21 जनवरी तक मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहेगा, लेकिन आसमान में बादल छाए रह सकते हैं। सरकार और प्रशासन ने लोगों को ठंड से बचने के लिए सतर्क रहने की सलाह दी है, खासकर बुजुर्गों और बच्चों के लिए विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है। फिलहाल उत्तर भारत के मैदानी इलाकों से लेकर पहाड़ों तक, लोग अलाव और गर्म कपड़ों के सहारे इस हाड़ कंपाने वाली ठंड का सामना कर रहे हैं।

गुरु-शिष्य परंपरा की अनूठी मिसालः 8 डिग्री की हाड़ कंपाती ठंड में गुरु के लिए पूरी रात सड़क पर डटे रहे छात्र

'हमें हमारे गुरुजी वापस चाहिए': टॉपर छात्रों को हवाई यात्रा कराने वाले शिक्षक का हुआ ट्रांसफर, सड़कों पर उतरे बच्चे

स्मार्ट हलचल| नंदराय

नंदराय कस्बे में मंगलवार को गुरु-शिष्य परंपरा का एक ऐसा भावुक और संघर्षपूर्ण दृश्य देखने को मिला, जिसने प्रशासन और शिक्षा विभाग को सोचने पर मजबूर कर दिया।

यहां राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय के भूगोल व्याख्याता शंकरलाल जाट के तबादले के विरोध में छात्र-छात्राओं ने कड़ाके की सर्दी और 8 डिग्री तापमान की परवाह किए बिना पूरी रात स्कूल के बाहर खुले आसमान के नीचे बिताई।

रात भर चला धरना, ग्रामीणों ने दिए कंबलः

जानकारी के अनुसार, 11 जनवरी को लेक्चरर शंकरलाल जाट का तबादला आदेश जारी हुआ था। सोमवार शाम को जैसे ही यह खबर छात्रों को मिली, उनमें आक्रोश फैल गया। शाम 4 बजे से छात्र धरने पर बैठ गए। जब रात तक कोई अधिकारी सुध लेने नहीं आया, तो बच्चों ने स्कूल गेट के बाहर टेंट लगाकर वहीं रात गुजारने का फैसला किया। बच्चों के इस संकल्प को देखकर ग्रामीणों और अभिभावकों ने उनके लिए भोजन, कंबल और बिस्तर की व्यवस्था की।

क्यों है इतना स्नेह?

छात्र अनिल अहीर ने बताया कि शंकरलाल जाट पिछले 7 वर्षों से यहां सेवाएं दे रहे हैं। वे केवल शिक्षक नहीं, बल्कि अभिभावक हैं। हवाई यात्रा का तोहफाः उन्होंने पिछले सत्र में बोर्ड परीक्षा में प्रथम आने वाले छात्रों को अपने निजी खर्च पर हवाई यात्रा करवाई थी। स्कूल का कायाकल्पः स्कूल भवन की जर्जर हालत को सुधारने के लिए उन्होंने भामाशाहों को प्रेरित कर मरम्मत कार्य करवाया। यही कारण है कि 600 से अधिक विद्यार्थी अपने प्रिय गुरु को जाने नहीं देना चाहते।

आमरण अनशन की चेतावनीः

मंगलवार को भी स्कूल पर ताला लगा रहा और बच्चे नारेबाजी करते रहे। छात्रों ने साफ चेतावनी दी है कि वे सोमवार शाम से बैठे हैं, लेकिन अब तक सुनवाई नहीं हुई। यदि शंकरलाल जाट का ट्रांसफर तत्काल निरस्त नहीं किया गया, तो वे 'आमरण अनशन' शुरू करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

विप्र फाउंडेशन को स्वामी अवधेशानंद गिरि से आरोहण मंत्रा प्राप्त हुआ

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

ऋषिकेश में आयोजित दो दिवसीय भव्य नायक प्रशिक्षण शिविर में जूना पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी अवधेशानंद गिरी महाराज ने कहा कि ब्राह्मण किसी जाति का नाम नहीं, बल्कि करुणा से उपजा वह विचार है, जिसकी दृष्टि आकाश जितनी व्यापक और हृदय सागर जितना उदार होता है।

स्वामी जी ने कहा कि ब्राह्मण 'ब्रा' है-जो ब्रह्मा की भांति समभाव से सबको देखता है। इसी कारण उसमें समस्त सनातनियों को साथ लेकर चलने की सामर्थ्य निहित है। उन्होंने ब्राह्मणों से आह्वान किया कि वे अपनी पहचान-तिलक, रक्षा सूत्र, शिखा और उपनयन को गर्व के साथ धारण करें।

विप्र फाउंडेशन के संस्थापक सुशील ओझा ने संगठन के प्रकल्पों की जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व में परशुराम कुंड पर 54 फीट ऊंची मूर्ति स्थापना तथा पश्चिम में जयपुर स्थित परशुराम भवन संस्था के ड्रीम प्रोजेक्ट हैं।इस अवसर पर भीलवाड़ा से प्रदेश महामंत्री दिनेश शर्मा, जिलाध्यक्ष तुलसी राम शर्मा, के निर्देशानुसार युवा जिलाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण व्यास उपाध्यक्ष देवेंद्र सारस्वत, महासचिव अभिषेक शर्मा ने प्रशिक्षण मे भाग लिया।

नगर निगम ने पुराना बस स्टैंड रोड से अतिक्रमण हटाया, खाली मोटर बॉडी जब्त

निगरानी नहीं हुई तो फिर पनपेगा अतिक्रमण—आमजन की दो टूक

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। नगर निगम द्वारा शहर में अतिक्रमण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुराना बस स्टैंड रोड पर की गई कार्रवाई से आमजन को राहत मिली है। मोटर बॉडी का कार्य करने वाले द्वारा सड़क पर खाली मोटर बॉडी रखकर किए गए अतिक्रमण को नगर निगम टीम ने हटाते हुए जब्त कर लिया। यह कार्रवाई नगर निगम आयुक्त हेमाराम के निर्देशन एवं महापौर राकेश पाठक के निर्देशों पर की गई।

अतिक्रमण के कारण पुराना बस स्टैंड रोड पर यातायात बाधित हो रहा था और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। कार्रवाई के दौरान होमगार्ड इंचार्ज जोरावर सिंह के नेतृत्व में टीम ने मौके पर मौजूद रहकर व्यवस्था संभाली और अभियान को

सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

कार्रवाई के बाद आमजन ने नगर निगम से अपेक्षा जताई कि जिन-जिन स्थानों से अतिक्रमण हटाया जा रहा है, वहां दोबारा अतिक्रमण न हो, इसके लिए सतत निगरानी की जाए। नागरिकों का कहना है कि यदि नियमित मॉनिटरिंग नहीं हुई तो कुछ समय बाद फिर वही स्थिति बन जाती है, जिससे निगम के अतिक्रमण अभियान की सार्थकता पर सवाल खड़े होते हैं।

आमजन ने निगम प्रशासन से मांग की कि अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए -जाएं, तभी शहर को वास्तव में अतिक्रमण मुक्त बनाया जा सकेगा।

उपमुख्यमंत्री व जिला प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में आगामी बजट 2026-27 पर जिला स्तरीय समीक्षा एवं सुझाव बैठक आयोजित

पूर्व की बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा कर शत प्रतिशत क्रियान्विति के दिए निर्देश

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

उपमुख्यमंत्री डॉ. श्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि बजट घोषणाओं का प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनकल्याण से जुड़े कार्यों में किसी भी स्तर पर शिथिलता न बरती जाए तथा योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। राज्य के उपमुख्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. बैरवा ने मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में सांसद श्री दामोदर अग्रवाल, शहर विधायक श्री अशोक कोठारी, शाहपुरा विधायक श्री लालाराम बैरवा, जनप्रतिनिधि श्री प्रशांत मेवाड़ा ने भी सुझावात्मक

विचार व्यक्त किए। बैठक में उपमुख्यमंत्री ने पूर्व बजट घोषणाओं की विभागवार समीक्षा करते हुए प्रगति रथ एवं चल रहे विकास कार्यों की गति को और अधिक तेज करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान जिले के विभिन्न स्टेकहोल्डर्स एवं हितधारकों से भी संवाद किया गया। इसमें स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, कृषि, व्यापार, महिला एवं युवा प्रतिनिधियों सहित विभिन्न वर्गों से सुझाव प्राप्त किए गए। संवाद के दौरान स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्य, आधारभूत ढांचे का सुदृढ़ीकरण, रोजगार सृजन, कौशल विकास, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार, सड़क एवं परिवहन, जलापूर्ति, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण एवं ग्रामीण विकास से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए गए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि इन संवादों के माध्यम से प्राप्त सुझावों को राज्य सरकार के समक्ष रखा जाएगा, ताकि उन्हें आगामी बजट 2026-27 में सम्मिलित कर बजट को अधिक जनोन्मुखी, समावेशी एवं व्यावहारिक बनाया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त सुझावों का परीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर प्रस्ताव तैयार किए जाएं।

बैठक के दौरान जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने जिले में पूर्व बजट घोषणाओं की क्रियान्विति की स्थिति, प्रगतिरत व पूर्ण हुए कार्यों तथा विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने भी अपने सुझाव रखें।

यह रहे मौजूद

समीक्षा बैठक व संवाद कार्यक्रम में जिला कलक्टर श्री जसमीत सिंह संधू , जिला पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेंद्र सिंह, एडीएम सिटी श्रीमती प्रतिभा देवटिया सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि, कल्याणी फाउंडेशन एनजीओ, चिकित्सा विभाग से आईएमए अध्यक्ष व सचिव, व्यापार वर्ग से मेवाड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स, लघु उद्योग भारती, टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन के प्रतिनिधि सहित महिला, युवा, कृषक, पशुपालन संघ, डेयरी आदि के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

समय पर इलाज न मिलने से बुझ गया चिराग

जर्जर स्वास्थ्य व्यवस्था ने ले ली 15 वर्षीय छात्र की जान

स्मार्ट हलचल

मंगरोप। ग्रामीण अंचलों में बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था एक बार फिर जानलेवा साबित हुई।हमीरगढ़ उपखण्ड क्षेत्र के बिलियां कलां गांव में छत से गिरकर घायल हुए 15 वर्षीय छात्र बाबू पुत्र रमेशनाथ योगी की इलाज के अभाव में मौत हो गई।हादसे के बाद करीब ढाई घंटे तक समुचित उपचार न मिल पाने को ही उसकी मौत का मुख्य कारण माना जा रहा है।जानकारी के अनुसार बाबू शुक्रवार को छत पर पतंग उड़ाते समय संतुलन बिगड़ने से नीचे गिर गया।गिरने से उसके सिर व शरीर में गंभीर चोटें आई और अत्यधिक रक्तस्राव शुरू हो गया।गांव में स्थित प्राथमिक उपस्वास्थ्य केन्द्र जर्जर हालत में होने और वहां उपचार की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण परिजनों को उसे जिला चिकित्सालय ले जाना पड़ा।ग्रामीणों का आरोप है कि घायल छात्र को अस्पताल पहुंचाने में दो से ढाई घंटे का कीमती समय लग गया।इस दौरान लगातार ब्लीडिंग होती रही,जिससे उसकी हालत और बिगड़ती चली गई।जिला चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे अहमदाबाद सिविल हॉस्पिटल रेफर किया,जहां वह तीन दिन तक जिंदगी और मौत से जूझता रहा,लेकिन अंततः इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।सोमवार को बिलियां कलां श्मशान घाट पर नम आंखों से उसका अंतिम संस्कार किया गया।मासूम की मौत के बाद गांव में शोक के साथ-साथ गुस्से का माहौल भी देखने को मिला।ग्रामीणों ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यदि गांव में ही प्राथमिक उपचार की सुविधा उपलब्ध होती,तो शायद छात्र की जान बचाई जा सकती थी।ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली को लेकर वे कई बार जिला प्रशासन व जनप्रतिनिधियों को अवगत करवा चुके हैं,लेकिन हर बार आश्वासन के सिवा कुछ नहीं मिला।यही लापरवाही अब एक होनहार छात्र की जान ले गई।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही प्राथमिक उपस्वास्थ्य केन्द्र को दुरुस्त कर आवश्यक चिकित्सा उपकरण व स्टाफ की व्यवस्था नहीं की गई,तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

बृजपुरा में देवस्थान और चरागाह भूमि पर माइनिंग का प्लान, ग्रामीणों ने जताई आपत्ति

स्मार्ट हलचल| बिजोलिया

उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत तिलस्वां के बृजपुरा गांव में खनिज विभाग द्वारा गोचर (चरागाह) भूमि पर खनन पट्टे जारी करने की प्रस्तावित नीलामी का ग्रामीणों ने कड़ा विरोध किया है। मंगलवार को समस्त ग्रामवासियों ने उपखंड अधिकारी (स्छरू) बिजोलिया के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर इस प्रक्रिया को तत्काल निरस्त करने की मांग की है।

बिना सहमति नीलामी का आरोपः ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि खनिज विभाग द्वारा ग्राम बृजपुरा की खसरा संख्या 40, 41, 42, 44 से 46, 52, 53, 56 से 62 तथा 86 और 87 को खनन उत्पादन हेतु ऑनलाइन नीलामी (ऑप्शन प्लान) में डाला जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह कार्यवाही ग्रामवासियों की सूचना और सहमति के बिना की जा रही है, जो अनुचित है।

देवस्थान और मवेशियों पर संकटः

ज्ञापन में बताया गया कि बृजपुरा गांव पूरी तरह कृषि और पशुपालन पर निर्भर है। जिस भूमि की नीलामी की जा रही है, वहां वर्षों पुराना देव-स्थान 'पंच देवरिया' बना हुआ है और यह भूमि मवेशियों के चरने का एकमात्र सहारा है। ग्रामीणों ने चिंता जताई कि यदि यहां खदानें चालू हुईं तो गायों के सामने चारे का संकट खड़ा हो जाएगा।

जलस्तर और पर्यावरण को खतराः

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि गहरी खनन नीति से गांव के कुओं का जलस्तर रसातल में चला जाएगा और वे सूख जाएंगे। साथ ही, पत्थर कटाई में इस्तेमाल होने वाले केमिकल से भूजल दूषित होने और हजारों जीव-जंतुओं के आश्रय छिनने का खतरा है। ग्रामीणों ने 'धरती मां और गौ माता' की रक्षार्थ इस शोषण रूपी प्लान को रुकवाने की अपील की है।

कृष्ण की इच्छा के बिना तिनका भी नहीं हिलता।

श्री चैतन्य चरितामृत – अंत्य-लीला

भावपूर्ण स्मृति में

अग्निवेश अग्रवाल

(3 जून 1976, पटना - 7 जनवरी 2026, न्यूयॉर्क)

अग्निवेश एक पावन आत्मा थे, जिन्हें **राधे-कृष्ण** ने **गोलोक वृंदावन धाम** में सेवा के लिए बुला लिया। वह निडर और साहसी थे, संगीत और खेल उन्हें बेहद प्रिय थे। वह प्रतिभाशाली व्यवसायी थे, और सबसे बढ़कर एक प्यारे बेटे, भाई और मित्र थे। वह हमेशा हमारे हृदय में जीवित रहेंगे।

"अग्निवेश, हम सारे वादे पूरे करेंगे।"

आइए, हम एक साथ मिलकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करें :

दिनांक : बुधवार, 14 जनवरी, 2026 | **समय :** शाम 5-7 बजे

स्थान : वाईबी चव्हाण सभागार, नरीमन पॉइंट, मुंबई

ऑनलाइन जुड़ें :

प्रार्थना में :

अनिल एवं किरन अग्रवाल, प्रिया एवं आकर्ष हेब्बार, माही

प्रवीण एवं ज्योति, नवीन एवं रुचिरा, सुमन एवं विमल,

प्रतीक एवं सोनाक्षी, अंकित एवं श्वेता, नैवेद्य एवं अनन्या, अनन्य एवं नितिका, विराज, साक्षी एवं वरुण,

सभी गुप्ता परिवारजन,

उनके सभी मित्र और सहयोगी

एवं संपूर्ण वेदांता परिवार।

vedanta
transforming for good

इंवेटमेंट स्कीम का झांसा देकर साइबर ठगी करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

भीलवाड़ा पुलिस ने साइबर गिरोह के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए इन्वेस्टमेंट स्कैम के जरिए साइबर ठगी करने वाले गिरोह के 3 आरोपी गिरफ्तार को गिरफ्तार किया है। ठगी की राशि बैंक से निकालते समय जिला साइबर टीम ने तत्परता से कार्रवाई कर आरोपियों को दबोच लिया । आरोपियों से 3 मोबाइल फोन, 3 सिम कार्ड तथा 7 एटीएम कार्ड बरामद किए है ।एसपी धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन में साइबर अपराधों की रोकथाम के क्रम में साइबर अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए टेलीग्राम आधारित इन्वेस्टमेंट स्कैम से जुड़े गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार लाख उनतीस हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी के मामले में 3 आरोपियों को बैंक से नकदी निकालते हुए

गिरफ्तार किया गया। प्रार्थी अभिषेक सोमाणी उम्र 36 वर्ष, निवासी महेशनगर, कांकरोली, जिला राजसमंद, हाल निवासी शाहपुरा, जिला भीलवाड़ा, ने रिपोर्ट दी और रिपोर्ट में बताया कि टेलीग्राम ग्रुप के माध्यम से इन्वेस्टमेंट का झांसा देकर उसके भाई आशीष सोमाणी के साथ ऑनलाइन ठगी की गई उक्त ठगी में 4,29,000/- की साइबर ठगी की गई। टेलीग्राम ग्रुप के माध्यम से यूट्यूब सब्सक्रिप्शन, गूगल रिव्यू एवं मनी टास्क के नाम पर निवेश का झांसा देकर पीड़ितों से अलग-अलग बैंक खातों एवं यूपीआई के माध्यम से धनराशि जमा करवाई गई। प्रारंभ में छोटे-छोटे टास्क पूर्ण करने पर राशि लौटाकर विश्वास में लिया गया तथा बाद में अधिक लाभ का लालच देकर कुल 4,29,000/- की बड़ी रकम की धोखाधड़ी की गई। उक्त रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया और जांच शुरू की सम्बंधित बैंक से 2,80,000 फ्रीज करवाए गये एवं जिला साइबर विंग द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए बैंक से नकदी निकालते समय आरोपियों को डीटेन किया गया एवं 3 मोबाइल फोन, 3 सिम कार्ड, 7 एटीएम कार्ड बरामद किए गए और पुलिस थाना शाहपुरा पर दर्ज मामले में आईटी एक्ट के अंतर्गत अपराध प्रमाणित पाए जाने पर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जांच शुरू की । मामले में ठगी गई राशि की बरामदगी तथा अन्य संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका के संबंध में विस्तृत जांच जारी है। टीम में विशम्भर दयाल जिला साइबर विंग, साइबर थाना (विशेष योगदान), समरथ आचार्य (विशेष योगदान), जितेन्द्र कुमार, छोटू रेबारी और पुलिस टीम में शाहपुरा थाना अधिकारी सुरेश कुमार, महेंद्र सिंह, अरविन्द सिंह शामिल थे ।

ये हुए गिरफ्तार

बलवीर सिह राणावत / उकार सिह राणावत (22) नि. जित्या खेडी (ब्रहम्पुरी) थाना मंगरोप जिला भीलवाडा, बलवीर सिह खंगारोत / सज्जन सिह खंगारोत (35) नि. मेवदा थाना शाहपुरा जिला भीलवाडा, दिगविजय सिह / नारायण सिह चुण्डावत (24) नि. खेमाणा थाना रायपुर जिला भीलवाडा

ग्राम सेवा सहकारी समिति में यूरिया की कालाबाजारी से किसान परेशान

जीएसएस में किसानों से खुली लूटः 266 का यूरिया 400 में थमाया, व्यवस्थापक ने स्वीकारी 'टैगिंग' की मजबूरी, जबरन सल्फर और माइक्रो राजा थोपा

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। ग्राम सेवा सहकारी समिति लाडपुरा में किसानों के बीच आक्रोश बढ़ता जा रहा है। समिति में यूरिया खाद की अधिक वसूली और मनमानी बिक्री की शिकायतें सामने आ रही हैं। किसानों का कहना है कि सरकार द्वारा तय -दरों से कहीं अधिक मूल्य वसूला जा रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

किसानों ने बताई परेशानी, समिति में यूरिया का 45 किलो का कट्टा जिसकी सरकारी कीमत 266. 50 तय है, उसे 400 में बेचा जा रहा है। ऐसे में समिति की यह मनमानी किसानों की परेशानी बढ़ा रही है। कई किसान तो अधिक दाम सुनकर खाली हाथ वापस लौट रहे हैं। खेतों में बढ़ती खाद की जरूरत, फसलों में इस समय यूरिया खाद की मांग रहती है।

किसानों का कहना है कि उन्हें आवश्यक खाद समय पर और सरकारी दरों पर नहीं मिल पा रहा।

समिति कर्मचारियों द्वारा किसानों को जबरन सल्फर खाद भी दिए जाने की शिकायतें मिली हैं। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को राहत देने के लिए सस्ते दरों पर खाद उपलब्ध करवाती है, लेकिन समिति स्तर पर चल रही कालाबाजारी उस उद्देश्य को विफल कर रही है।

जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। ऊपर से बिल देने से भी इनकार कर दिया जा रहा है, बहाना बना रहे हैं कि मशीन खराब है और प्रिंट नहीं निकल रहा। किसानों ने चिंता जताई कि खेतों में समय पर खाद न मिलने से फसल प्रभावित हो रही है। समिति व्यवस्थापक कैलाश चंद्र तेली ने स्पष्ट शब्दों में स्वीकार किया है कि सहकारी समिति को सल्फर खाद और टैगिंग उत्पाद लेने पर ही खाद दिया जा रहा है। इसलिए मजबूरी है। गणित लूट का, 266.50 का माल 400 में किसानों ने बताया कि 45 किलो यूरिया कट्टे की सरकारी दर 266.50 रुपये है। लेकिन समिति कर्मचारी इसके साथ जबरदस्ती सल्फर या अन्य उत्पाद जोड़कर 400 रुपये वसूल रहे हैं। जब किसान इसका पक्का बिल मांगते हैं, तो उन्हें टाल दिया जाता है। जो किसान अतिरिक्त सामान लेने से मना करता है, उसे खाद नहीं है।

सरकारी सब्सिडी का लाभ किसानों को देने के बजाय समिति इसे अपनी कमाई का जरिया बना रही है। लेकिन धरातल पर हकीकत यह है कि किसानों को आज भी यूरिया के साथ जबरन 'सल्फर' और अन्य उत्पाद (टैगिंग) थोपे जा रहे हैं। किसानों ने बताया कि 266.50 के कट्टे के साथ 134 का 'माइक्रो राजा' जबरन जोड़कर 400 लिए जा रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष रचना मिश्रा के प्रयास लाए रंग

चार माह से बंद कोठी फील्ड रोड का कार्य शुरू-राजेन्द्र खटीक

स्मार्ट हलचल | शाहपुरा

नगर पालिका वार्ड 09 के अंतर्गत कोठी फील्ड रोड का निर्माण कार्य लगभग चार माह से बंद पड़ा हुआ था। जिससे क्षेत्रवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। सड़क की बदहाल स्थिति के कारण आवागमन में कठिनाई, धूल-मिट्टी और कीचड़ धार्मिक स्थानों पर भी कीचड़ बना होने की समस्या लगातार बनी हुई थी।

नगर पालिका की नेता प्रतिपक्ष रचना द्वारा इस गंभीर समस्या को लेकर ठेकेदार एवं संबंधित अधिकारियों से लगातार शिकायतें की जाती रहीं। उनके निरंतर प्रयासों, बार बार मांग और जनहित में की गई पहल के परिणामस्वरूप चार माह बाद सड़क निर्माण कार्य पुनः प्रारंभ हो सका।

नेता प्रतिपक्ष रचना मिश्रा ने कहा कि क्षेत्र की जनता की समस्याओं के समाधान के लिए वे सदैव प्रतिबद्ध हैं और भविष्य में भी किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने ठेकेदार को कार्य की गुणवत्ता एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश भी दिए। इस दौरान नगर महामंत्री ओम सिंधी, प्रदेश सचिव चिकित्सा प्रकोष्ठ राजस्थान कांग्रेस कमेटी अतुल त्रिपाठी, नगर कांग्रेस उपाध्यक्ष सुनील मिश्रा द्वारा शुरू कार्य का निरक्षण किया।

स्थानीय नागरिकों ने सड़क कार्य शुरू होने पर संतोष व्यक्त करते हुए नेता प्रतिपक्ष रचना सुनील मिश्रा का आभार जताया और उम्मीद व्यक्त की कि कार्य शीघ्र पूर्ण होकर क्षेत्रवासियों को राहत मिलेगी।

चित्तौड़गढ़ को मॉडल जिला बनाने की मांग, बजट को लेकर ज्ञापन सौंपा

स्मार्ट हलचल | ओम जैन

शंभूपुरा। राजस्थान सरकार के आगामी बजट को लेकर मेवाड़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़, चित्तौड़गढ़ की ओर से मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नाम एक ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। ज्ञापन में प्रदेश के समग्र विकास के साथ-साथ चित्तौड़गढ़ जिले को मॉडल/पायलट जिला के रूप में विकसित किए जाने की मांग की गई है। चेम्बर के अध्यक्ष सीए (डा.) अर्जुन मूंदड़ा एवं सचिव राकेश चंद्र मंत्री ने बताया कि ज्ञापन में पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण, जल संसाधन, स्वास्थ्य, खनिज आधारित उद्योग एवं रोजगार सृजन से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव शामिल किए गए हैं। चित्तौड़गढ़ को वर्ड हेरिटेज टूरिस्म हब के रूप में विकसित करने, गंभीरी व बेड़च नदियों के पुनर्जीवन, सीतामाता अभयारण्य के इको-टूरिज्म विकास, संगम महादेव को राज्य स्तरीय पर्यटन स्थल, तथा रिठोला चौराहा (एशिया स्तर के कॉरिडोर) को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने की मांग की गई है।

साथ ही होटल उद्योग को इंडस्ट्री का दर्जा मिलने के बावजूद रिको द्वारा सुविधाएँ न मिलने पर उचित प्रावधान करने का आग्रह किया गया है। चेम्बर ने विश्वास जताया कि इन प्रस्तावों को लागू करने से चित्तौड़गढ़ राजस्थान के लिए विकास का आदर्श मॉडल बन सकता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी वर्ष पर विराट हिंदू सम्मेलन की तैयारिया तेज, विभिन्न टोलियों का गठन

सत्यनारायण ओझा बने संजय नगर बस्ती के अध्यक्ष, घर-घर पीले चावल वितरित कर देगें निमंत्रण

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले आगामी विराट हिंदू सम्मेलन की पूर्व तैयारी को लेकर नगर क्रमांक 3 (संजय नगर बस्ती) की एक विशाल बैठक संपन्न हुई। बैठक में कार्यक्रम को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए सर्वसम्मति से महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए और जिम्मेदारियाँ सौंपी गई। बैठक में क्षेत्र के सत्यनारायण ओझा को सर्वसम्मति से नगर क्रमांक 3 संजय नगर बस्ती का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके साथ ही उपाध्यक्ष, संरक्षक और कार्यक्रम समिति के सदस्यों का भी चयन किया गया, जो कार्यक्रम की रूपरेखा

तैयार करेंगे। सम्मेलन की सफलता के लिए तय किया गया कि प्रत्येक सनातनी परिवार तक व्यक्तिगत रूप से पहुँच बनाई जाएगी। इसके लिए पीले चावल वितरित कर हर परिवार को इस विराट आयोजन में सम्मिलित होने का भावपूर्ण निमंत्रण दिया जाएगा। कार्यक्रम के सुव्यवस्थित संचालन के लिए अलग-अलग टोलियों का निर्माण कर उनके प्रभारियों की घोषणा की गई। जिसमें मुख्य रूप से धन संग्रह टोली, वरिष्ठ जन सम्मान टोली, प्रतिभा सम्मान टोली, पारंपरिक सांस्कृतिक टोली, साज-सजावट एवं प्रभात फेरी टोली, शामिल हैं। बैठक में बैठक में नगर संयोजक कैलाश सुथार, सह संयोजक कैलाश गौड़, कार्यक्रम संयोजक खुशबू शुक्ला सहित प्रहलाद गर्ग, रामस्वरूप गर्ग, केवल सुराणा, सम्पत शर्मा, गणपत शर्मा, प्रहलाद त्रिपाठी, ललित व्यास, धीरज अग्रवाल, रामपाल मंत्री, हिमांशु शुक्ला, सागर पाण्डे, किशन लोहार, रमेश भट्ट, रामगोपाल वैष्णव, नितेश अजमेरा, हरदेव कुमावत, कपिल सुथार, भवानी शंकर वैष्णव, पुष्कर सेन, रघुनाथ सोनी, भगवान सिंह, किशन सेन, महेंद्र कुमावत एवं बड़ी संख्या में महिला मंडल की सदस्य उपस्थित रहीं। सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं ने अपने विचार साझा किए और संकल्प लिया कि शताब्दी वर्ष का यह सम्मेलन क्षेत्र में हिंदू गौरव और एकता का प्रतीक बनेगा।

कोहरे में लिपटा रहा गुरला का रणजीत सागर तालाब व नेशनल होईवे 758

स्मार्ट हलचल

गुरला। इन दिनों लगातार बर्फीली हवाओं ने फीजा में ठंडक घेल रखी है। दिन में धुजणी छुट रही सुबह शाम शीत लहर ठिठुरा रही है। कोहरा इतना है कि सड़कों पर कुछ दूरी तक कुछ दिखाई नहीं दे रहा है। सोमवार को मौसम साफ रहा परन्तु मंगलवार को सुबह से 10 बजे तक कोहरा छाया रहा चालकों को वाहन की लाइट चलानी पड़ी। भीलवाड़ा राजसमंद उदयपुर फोरलेन गुरलां स्थित रणजीत सागर तालाब को ढक दिया । सुबह दस बजे तक फोरलेन रणजीत सागर तालाब पर कोहरा छाया रहा लोग घरों से कम ही बाहर निकले। अरावली पहाड़ी की तलहटी स्थित कालका माता मन्दिर कोहरे के प्रकोप में लिपटा रहा गावों में किसानों ने धूप निकलने के बाद ही खेतों का रूख किया।

2 लाख की लागत का शौचालय बोराणा विद्यालय परिवार को समर्पित

काबरा परिवार आया भामाशाह के रूप में आगे

स्मार्ट हलचल

रायपुर। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बोराणा में भामाशाह मदनलाल काबरा द्वारा अपने माता-पिता स्वर्गीय रामचंद्र एवं स्वर्गीय कमला देवी की स्मृति में 2 लाख की लागत से शौचालय निर्मित कर विद्यालय परिवार को ग्रामीणों की उपस्थिति में समर्पित किया। समस्त ग्रामवासियों व विद्यालय परिवार ने काबरा परिवार बोराणा (मुंबई) का आभार माना।

चलानिया में निःशुल्क नेत्र जांच एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन

स्मार्ट हलचल

पंडेर। शाहपुरा क्षेत्र के चलानिया में जनसेवा की भावना को साकार करते हुए एक विशाल निःशुल्क नेत्र जांच एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन लुलास सरपंच लोकेश रामेश्वर लाल सुवालका, भैरुनाथ सेवा समिति अध्यक्ष सांवर गुर्जर एवं समिति की समस्त कार्यकारिणी की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

शिविर में लायन्स क्लब वेलफेयर ट्रस्ट की पूरी टीम एवं जीबीएच सिम्स हॉस्पिटल के

अनुभवी चिकित्सकों द्वारा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए सैकड़ों लोगों की निःशुल्क नेत्र जांच की गई। जांच के दौरान आंखों से संबंधित विभिन्न रोगों की पहचान की गई तथा मरीजों को उचित परामर्श दिया गया।

मोतियाबिंद एवं लेंस प्रत्यारोपण की आवश्यकता वाले मरीजों को तत्काल लायन्स क्लब के माध्यम से रेफर किया गया, जहां उनका आगे का संपूर्ण इलाज पूर्णतः निःशुल्क किया जाएगा। इस पहल से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को बड़ी राहत मिली। शिविर के सफल आयोजन पर आयोजकों ने सभी सहयोगी संस्थाओं, चिकित्सक दल एवं स्वयंसेवकों का आभार प्रकट किया। ग्रामीणों ने भी इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए भविष्य में ऐसे और शिविर आयोजित करने की मांग की।

बोराणा में रक्तदान शिविर संपन्न

स्मार्ट हलचल

रायपुर। श्री राम द्वारा लोकार्पण कार्यक्रम एवं तीन दिवसीय नानी बाई मायरा कथा के दौरान रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। प्रातः 11:00 बजे से 2:00 तक चले इस शिविर में अंतर्राष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय के पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी रामदयाल महाराज का सभी को सानिध्य मिला। कुल 41 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। भारत विकास परिषद के संरक्षक सुभाष चंद्र झंवर, हनुमान चालीसा मंडल के संयोजक रमेश चंद्र वैष्णव, मंडल अध्यक्ष अनिल दाधीच, पेंशनर समाज के सचिव चंद्रशेखर देशांतरी, गोपाल भदादा, रामसनेही चिकित्सालय ब्लड प्रभारी गोपाल जागेटिया, रामस्नेही संस्थान ट्रस्टी रामनारायण लढा सहित अन्य समाजसेवी उपस्थित थे।

रामधाम बस्ती में विराट हिंदू सम्मेलन का शंखनादः भव्य कलश यात्रा और चारभुजा नाथ की शोभायात्रा के साथ गूंजेगा मेडिसिटी मैदान

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

सवाई भोज नगर की राम धाम बस्ती में आगामी 25 जनवरी 2026, रविवार को होने वाले भव्य व दिव्य विशाल हिंदू सम्मेलन की तैयारियों को लेकर समाज जनों के साथ बैठक संपन्न हुई बैठक में आयोजन को सफल बनाने हेतु अलग-अलग कार्यों की समितियां बनाकर सभी को जिम्मेदारी सौंपी गई आजाद नगर के सुखवाल भवन में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता रामधाम बस्ती के अध्यक्ष व उद्योगपति श्री राजेंद्र प्रसाद ओस्तवाल ने की उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि हिंदू समाज को विराट संगठन में पिरोना आज

की महती आवश्यकता है हिंदू समाज की विशेषता है कि वह संपूर्ण संसार को शांति, करुणा एवं अहिंसा के माध्यम से संपूर्ण विश्व का कल्याण करने के लिए इच्छुक है, किंतु इसके लिए शक्ति की साधना करना आवश्यक है बैठक में मुख्य वक्ता भीलवाड़ा विभाग सह कार्यवाह श्री भगवान दास जी जीनगर ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में संगठन पांच आयामों पर अधिक जोर दे रहा है जिनमें सामाजिक समरसता,कुटुंब प्रबोधन,पर्यावरण का बचाव,स्वदेशी की प्रेरणा,नागरिक कर्तव्य,उन्होंने इन विषयों पर विस्तार से संबोधित करते हुए कहा कि इन परिवर्तनों से धीरे-धीरे समाज में बहुत बड़ा बदलाव आएगा, इसलिए इसका सभी को संकल्प लेना चाहिए स्वामी विवेकानंद जयंती पर कविता का पाठ कार्यक्रम के अंत में सेवानिवृत्त शिक्षाविद् एवं उपनिदेशक श्री प्रहलाद जी पारीक ने युवा दिवस (स्वामी विवेकानंद जी की जयंती) के अवसर पर एक सुंदर कविता प्रस्तुत की इस बैठक में सभी उप-बस्तियों के सह-संयोजक एवं समाज जनों की गौरवमयी उपस्थिति रही।

पतंगों के रंग में रंगे बजरंगबली श्री कामधेनु बालाजी का अलौकिक श्रृंगार

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

मकर संक्रांति के पावन पर्व पर आज शहर के कोटा बाईपास स्थित कोठारी नदी के किनारे, सुखाड़िया नगर (मलाण क्षेत्र) में स्थित प्राचीन श्री कामधेनु बालाजी मंदिर में आस्था और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला प्रतिवर्ष की परंपरा को निभाते हुए, इस वर्ष भी बजरंगबली का भव्य श्रृंगार किया गया, जो विशेष रूप से रंग-बिरंगी पतंगों और चरखियों पर आधारित रहा प्रताप सिंह द्वारा किया गया चोला श्रृंगार इस वर्ष बालाजी सरकार का विशेष चोला श्रृंगार और सजावट श्रृंगार कर्ता प्रताप सिंह द्वारा की गई प्रताप सिंह ने अपनी कुशल

कला और अटूट भक्ति से प्रभु के विग्रह को विभिन्न रंगों और आकारों की पतंगों से सजाया श्रृंगार में न केवल छोटी-बड़ी पतंगों का उपयोग हुआ, बल्कि आकर्षक मांझे वाली चरखियों को भी सजावट का हिस्सा बनाया गया।

अवैध मादक पदार्थ, आर्म्स एक्ट और धोखाधड़ी मामले में पांच गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

भीलवाडा जिले की पुर थाना पुलिस ने 24 घंटो में अवैध मादक पदार्थ, आर्म्स एक्ट , स्थायी वारन्टी और धोखाधडी के प्रकरण मे बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया और अवैध मादक पदार्थ अफीम 2.444 किलोग्राम, एक अवैध पिस्टल व एक जिन्दा कारतूस जब्त किया व 5 मामलो में 5 साल से फरार 1 स्थाई वारंटी को गिरफतार किया है साथ ही अवैध मादक पदार्थ परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाईकिल जब्त की है । अवैध मादक पदार्थ में 2 आरोपी, धोखाधडी के मामले मे दो आरोपियों को गिरफतार किया है । जिला चितोडगढ में वांछित आरोपी को अवैध पिस्टल के साथ गिरफतार किया । एसपी धर्मेन्द्र सिंह के आदेशानुसार जिले में अवैध मादक पदार्थ, अवैध आर्म्स व स्थायी वारन्टीयो के विरूद्ध कार्यवाही के लिए बुध्दराज अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहाडा के निर्देशन व राहुल जोशी वृत्ताधिकारी वृत मांडल के सुपरविजन में पुर थाना प्रभारी कन्हैयालाल के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। दिनांक 12.01.2026 को थानाप्रभारी कन्हैयालाल मय जाप्ते के लोकल व स्पेशल

एक्ट की कार्यवाही के लिए पुर रवाना हुए जहां कानिस्टेबल जितेन्द्र सिह की सुचना मिली की एनएच 48 पुर पुलिया के नीचे पहुँच, मोटरसाईकिल सवार दो संदिग्ध को रोककर चैक किया ।

जिनके पास से कुल 2.444 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम बरामद की। जिस पर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया । टीम में पुर थानाधिकारी कन्हैयालाल, जितेन्द्र सिह कांस्टेबल (विशेष योगदान), विक्रम सिंह, अनिल कुमार, विनोद कुमार, जगदीश, ममता शामिल थे । जमना लाल सउनि मय जाप्ता के थाना से गश्त हेतु रवाना हुए और पांसल पहुंचे वहां एक व्यक्ति पुलिस जाप्ता को देखकर भागने लगा। जिसको रोककर भागने का कारण पुछा तो घबराने लगा। जिसकी तलाशी ली गयी तो उसके पास एक पिस्टल मय जिन्दा कारतुस मिला। जिसको रखने का लाईसेन्स मांगा तो नही होना बताया ।

जिस पर नियमानुसार अवैध पिस्टल को जब्त किया और आरोपी की गिरफतार किया गया और आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू की । आरोपी से पूछताछ जारी है की उसने पिस्टल किससे खरीदी । आरोपी जिला चितौडगढ मे भी वांछित है। कार्यवाही की टीम में कन्हैयालाल थानाधिकारी, जमना लाल सउनि, तारांचद यादव सउनि, कांस्टेबल अनिल कुमार, राकेश कुमार, जगदीश और डीएसटी टीम भीलवाडा (विशेष योगदान) शामिल रहे । तीसरी कार्यवाही में आईओ कैलाश चंद ने टीम के साथ दो आरोपियों को गिरफतार कर माल मशरूका बरामद किया और अग्रिम अनुसंधान जारी है। टीम में कन्हैयालाल थानाधिकारी, कैलाश चंद सउनि, देवी लाल (विशेष योगदान) । थाना क्षेत्र के कुल 5 मामलो में 5 साल से फरार स्थायी वारन्टी को गिरफतार किया और न्यायालय में पेश किया । टीम में कन्हैयालाल थानाधिकारी, आजाद सिंह (विशेष योगदान), राजवीर सिंह (विशेष योगदान) शामिल रहे ।

यह हुए गिरफ्तार

अवैध मादक पदार्थ अफीम मामले में प्रकाश पिता शिवनारायण उम्र 33 साल निवासी मन्दसोर जिला मन्दसोर मध्यप्रदेश, अर्जुन पिता रमेश चन्द्र उम्र 36 साल निवासी साखतली थाना सीतामउ जिला मन्दसोर मध्यप्रदेश, जिला चितोडगढ मे वांछित अपराधी और आर्म्स एक्ट में महेन्द्र पिता मदन रेगर उम्र 33 साल निवासी थाना सदर चितोडगढ जिला चितोडगढ को गिरफ्तार किया । स्थायी वारन्टी में अर्जुन पिता कैलाश चन्द्र चांवरिया निवासी हरिजन बस्ती नन्दराय थाना बिगोद भीलवाडा को गिरफ्तार किया । धोखाधडी के मामले में सुरज मल पिता मोहन लाल कुमावत निवासी खोडिप थाना निकुम्भ जिला चितौडगढ और जुनैद बोहरा पिता जुजर बोहरा उम्र 31 साल निवासी निमच सिटी थाना नीमच सिटी जिला नीमच मध्यप्रदेश को गिरफ्तार किया।

वार्ड संख्या 6 में जर्जर सड़क से जनता परेशान, जल्द निर्माण का आश्वासन

स्मार्ट हलचल | गंगापुर

नगर पालिका के वार्ड संख्या 6 में स्थित सराय स्कूल के बाहर आम रास्ते पर सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है, जिससे मोहल्लेवासियों एवं प्रतिदिन आने-जाने वाले नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। टूटी हुई सड़क के कारण पैदल राहगीरों, स्कूली बच्चों, बुजुर्गों एवं दोपहिया-चारपहिया वाहन चालकों के लिए आवागमन जोखिम भरा हो गया है।

इस गंभीर समस्या को लेकर मंगलवार को स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता राम प्रसाद माली ने नगर पालिका गंगापुर के अधिशासी अधिकारी करणी सिंह सोडा से मुलाकात कर वार्ड में सड़कों के पेच वर्क एवं सराय स्कूल के बाहर सड़क की बदहाल स्थिति से अवगत कराया एवं शीघ्र निर्माण की मांग की। माली ने कहा कि यह सड़क आमजन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसमें देरी से जनसुरक्षा को खतरा बना हुआ है।

वार्ता के दौरान अधिशासी अधिकारी करणी सिंह सोडा ने

समस्या को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि नगर पालिका द्वारा उक्त सड़क का निर्माण कार्य जल्द शुरू करवा दिया जाएगा, ताकि आम नागरिकों को राहत मिल सके।

मोहल्लेवासियों ने नगर पालिका से अपेक्षा जताई है कि दिए गए आश्वासन के अनुरूप जल्द कार्रवाई कर सड़क निर्माण कराया जाएगा, जिससे वार्डवासियों को लंबे समय से चली आ रही समस्या से निजात मिल सके।

सिन्धी उतराण मेले ने सांवरिया रिसोर्ट को बना दिया उत्सव स्थल

पतंगों की डोर में बंधा भाईचारा, इनामों की बारिश में झूमा समाज

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर सिन्धुपति युवा सेवा संस्कार समिति (रजि.) एवं सिन्धुपति महिला मंडल के तत्वावधान में आयोजित दसवां भव्य सिन्धी उतराण मेला इस बार भी यादगार बन गया। सांवरिया रिसोर्ट में आयोजित इस मेले में हजारों की संख्या में पहुंचे सिन्धी समाज के लोगों ने परंपरा, संस्कृति और उल्लास का ऐसा संगम देखा, जिसने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया।

समिति अध्यक्ष दीपू सभनाणी ने बताया कि यह मेला केवल मनोरंजन का आयोजन नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, संस्कारों को संजोने और नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। इसी भावना के साथ मेले में प्रवेश पुरस्कार, बंपर पुरस्कार, खेलकूद प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और स्नेहभोज की भव्य व्यवस्था की गई।

मेले का शुभारंभ श्री गोविंद धाम दरबार के संत श्री किशनलाल जी महाराज, पूज्य दादा साहिब झूलेलाल मंदिर के दादा साहिब भगत श्री टेऊँरामजी, मां इच्छापूर्णी दुर्गा मंदिर की माताश्री पारो बहन तथा सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष रमेशचंद्र सभनाणी के करकमलों द्वारा भगवान श्री झूलेलाल सांई की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात संतजनों व समाजसेवियों ने गेंद से सितोलिया फोड़कर खेलकूद प्रतियोगिताओं का विधिवत शुभारंभ किया।

मेले में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के लिए कुछ न कुछ खास था। सितोलिया फोड़, चेयर रेस, पतंगबाजी, रस्साकसी, फिर-फिर सांटो, दौड़, सवाल-जवाब, डांडिया, डांस और पारंपरिक सिंधी छैज जैसी प्रतियोगिताओं में समाजजनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हर प्रतियोगिता में उत्साह देखते ही बनता था। विजेता रहे प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, वहीं जीत की खुशी में कई प्रतिभागी नाचते-गाते नजर आए।

मेले की एक खास बात यह रही कि समाजसेवियों की ओर से सिंधी राब, चाय, पतंग और सादा मांझा की निशुल्क व्यवस्था की गई, जिससे मेले की रौनक और बढ़ गई। दोपहर में आयोजित स्नेहभोज में सभी ने एक साथ बैठकर भोजन किया, जिससे आपसी अपनत्व और भाईचारे की भावना और प्रगाढ़ हुई।

शाम होते-होते सभी की निगाहें बंपर पुरस्कारों पर टिक गईं। समाजसेवियों द्वारा अपनी ओर से स्वच्छ टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन, ड्रेसिंग टेबल, कूलर, गीजर, मिक्सर, कंबल, प्रेस, साइकिल, होम थिएटर, स्मार्ट वॉच, नेकबैंड, जूसर जैसे आकर्षक बंपर पुरस्कार रखे गए थे। प्रवेश पत्र नंबर के आधार पर जैसे ही विजेताओं की घोषणा हुई, पूरा पंडाल तालियों और खुशी की आवाजों से गूंज उठा।

मंच संचालन एवं प्रतियोगिताओं का कुशल संचालन राहुल जेठानी और दीपू सभनाणी ने किया, जिन्होंने पूरे कार्यक्रम को रोचक और अनुशासित बनाए रखा। कार्यक्रम के अंत में पल्लव अरदास कर समस्त संसार के कल्याण की कामना की गई तथा सभी समाजजनों ने एक-दूसरे को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं।

मेले के सफल आयोजन में फतनदास लालवानी, कैलाश कृपलानी, परमानंद नेनानी, जितेंद्र दरियानी, कमल रामवानी, राजकुमार दरियानी, विनोद झुर्रानी, प्रकाश झुर्रानी, गोरधनदास जेठानी, प्रकाश कोरानी, दीपक खुबवानी, विजय लखवानी, प्रेम मोतियानी, सुरेश पेशवानी, प्रदीप सावलानी, प्रकाश मोटवानी, भगवान सामतानी, दिलीप रामनानी, गिरीश कृपलानी, सन्नी खोतानी सहित अनेक समाजसेवियों का विशेष सहयोग रहा।

कुल मिलाकर, सिन्धी उतराण मेला केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि संस्कृति, सेवा और सामाजिक एकता का जीवंत उदाहरण बनकर उभरा, जिसने पूरे भीलवाड़ा अंचल में अपनी अलग छाप छोड़ी।

बूढंदे बाबा मंदिर में नकाब पोश चोरों ने दानपेटी को तोड़कर चढावे की राशि चुराई

स्मार्ट हलचल | सूरौठ

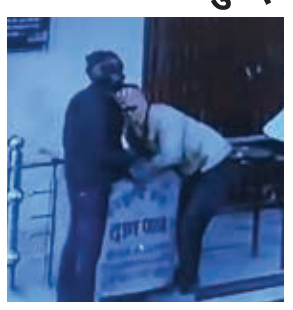

कस्बे में स्थित आराध्य देव बूढंदे बाबा मंदिर में बीती रात्रि को दान पेटी को तोड़कर दो नकाव पोश चोर चढ़ावे के करीब 45 हजार रुपए की राशि को चुरा ले गए। मंगलवार को तड़के 3:45 बजे के करीब जब श्रद्धालु मंदिर में दर्शन करने पहुंचे तो चोरी की वारदात का पता लगा। चोरी की घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। कैमरे में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि रात 1 बजे के करीब दो नकाव पोश चोर दान पेटी को तोड़ कर चोरी कर रहे हैं। मंदिर में चोरी की सूचना मिलने पर सूरौठ थाना प्रभारी सोहन सिंह गुर्जर एवं अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे तथा चोरी की वारदात का जायजा लिया। पुलिस ने मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चेक किए।

मंदिर में नियमित पूजा अर्चना करने वाले राजू मीणा एवं रिंकू मीणा रात्रि को जब परिसर में स्थित देवी माता के मंदिर में सो रहे थे तभी रात्रि 1:00 बजे के करीब दो नकाबपोश चोर मंदिर परिसर में प्रवेश कर गए तथा होल में रखी दान पेटी को लोहे की रोड से तोड दिया। चोर दान पेटी में रखी करीब 45 हजार रुपए की राशि को चुरा ले गए। तड़के 3:45 बजे के करीब पूर्व सरपंच नादान सिंह मीणा एवं अन्य श्रद्धालु मंदिर में दर्शन करने पहुंचे तो दान पेटी को टूटा हुआ देखकर हैरत में पड़ गए। लोगों ने चोरी की वारदात के बारे में सूरौठ पुलिस को सूचना दी जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा मौजूद लोगों से चोरी की वारदात के बारे में जानकारी ली। लोगों ने बताया कि बूढंदे बाबा मंदिर में रखी दान पेटी वर्ष में तीन बार सप्तमी के अवसर पर पंच पटेलों की मौजूदगी में खुलती हैं। करीब साढ़े तीन माह पहले दान पेटी को खोला गया था। मंगलवार को सुबह सर्व समाज के लोग सूरौठ थाने पहुंचे तथा थाना प्रभारी सोहन सिंह गुर्जर को रिपोर्ट दे कर मंदिर परिसर में हुई चोरी की वारदात का पर्दाफाश करने की मांग की।

मकर संक्रांति पर सरस दूध की कीमतों में कटौती, 15 जनवरी से लागू होंगी नई दरें

स्मार्ट हलचल | कोटा

मकर संक्रांति के अवसर पर आम उपभोक्ताओं को राहत देते हुए कोटा-बूंदी दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ ने सरस दूध की कीमतों में कटौती की घोषणा की है। संघ द्वारा जारी आदेश के अनुसार 15 जनवरी 2026 की प्रातःकालीन सप्लाई से कोटा शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संशोधित दरें प्रभावी होंगी।

संघ के अध्यक्ष चैनसिंह राठौड़ ने बताया कि उपभोक्ताओं को महंगाई से राहत देने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि दूध दैनिक आवश्यकता की वस्तु है और इसकी कीमतों में कमी से आमजन को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

आदेश के अनुसार अब 900 एमएल और 450 एमएल पैकिंग के स्थान पर 1000 एमएल, 500 एमएल एवं 160 एमएल की पैकिंग व्यवस्था लागू की जाएगी। साथ ही टोंड एवं डबल टोंड दूध की दरों में भी संशोधन किया गया है।

संशोधित दरों के अनुसार टोंड मिल्क 1 लीटर की कीमत 56 से घटाकर 53 कर दी गई है। टोंड मिल्क 500 एमएल अब 27 में उपलब्ध होगा, जबकि 160 एमएल पैक की कीमत 10 से घटाकर 9 निर्धारित की गई है। वहीं डबल टोंड मिल्क 160 एमएल की कीमत 9 से घटाकर 8 की गई है, जिससे प्रति लीटर आधार पर उपभोक्ताओं को लगभग 6.25 की राहत मिलेगी।संघ ने सभी बूथ संचालकों, एजेंटों एवं दुग्ध पार्लरों को निर्देश दिए हैं कि निर्धारित तिथि से नई दरों पर ही विक्रय सुनिश्चित किया जाए।

श्रीराम मंडल सेवा संस्थान ने लगाया इच्छा पूर्ण बालाजी मंदिर में अध्यक्ष पौष बड़ा का भोग

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। श्री राम मंडल सेवा संस्थान द्वारा इच्छा पूर्ण बालाजी मंदिर नया बापू नगर में अध्यक्ष शांति प्रकाश मोहता के सानिध्य में पौष बड़ा का भगवान को भोग लगाया गया और चोला चढ़ाया गया। इससे पहले सुंदरकांड पाठ और भजन गाये गए जिसमें कलाकार मंगल चंद मिश्रा, किशन चौधरी, पंकज पंचोली, जयेस पारीक, लोकेश कुदाल ने अपनी प्रस्तुतियां दी। उसके बाद पौष बड़ा का प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर संस्था के रतन लाल अग्रवाल, रामोतार शर्मा, मुकेश वर्मा, हनुमान परिहार, बनवारी माली, चैनसिंह चौहान, दिनेश लखोटिया, कमल चोटिया, विक्रमसिंह राठौड़, सुभाष शर्मा, सुरेश शर्मा, लक्की सैनी, शंकर चोटिया, विष्णु शर्मा आदि उपस्थित थे।

वार्ड 25 में विकास बनाम उपेक्षा की सियासत बेनकाब, पार्षद सिंह ने 5 करोड़ के काम गिनाए

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

शहर के वार्ड 25 में वर्षों से चली आ रही उपेक्षा की राजनीति पर पार्षद सिसोदिया ने विकास का ठोस जवाब देते हुए अपने कार्यकाल 2021 से 2026 के दौरान कराए गए करीब 5 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का पूरा लेखा-जोखा सार्वजनिक किया। इस अवसर पर विकास कार्यों से संबंधित फोल्डर का विमोचन भीलवाड़ा विधानसभा के पूर्व विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी ने किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। पार्षद राजेश सिंह ने कहा कि उनके कार्यकाल में वार्ड में पिछले 20 वर्षों की विकासात्मक कमी को दूर करने का गंभीर प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि वार्ड में सीसी रोड, कलरफुल टाइल्स व पेवर ब्लॉक सड़कें, नालियों का निर्माण, सामुदायिक भवन, हैंडपंप सहित अनेक बुनियादी सुविधाओं के कार्य कराए गए हैं।

राजेश सिंह सिसोदिया ने इशारों-इशारों में कहा कि जिन लोगों ने वर्षों तक केवल राजनीति की, उन्होंने विकास को नजरअंदाज किया, जबकि पिछले पांच वर्षों में धरातल पर काम कर वार्ड की तस्वीर बदलने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि यह फोल्डर केवल आंकड़े नहीं, बल्कि विकास और जवाबदेही का प्रमाण है।

पूर्व विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी ने कहा कि वार्ड 25 में हुए कार्य यह साबित करते हैं कि जब जनप्रतिनिधि की नीयत साफ हो तो सीमित संसाधनों में भी बड़ा परिवर्तन संभव है।

पार्षद सिसोदिया ने भरोसा दिलाया कि यदि आगे भी जनता का आशीर्वाद मिला तो वार्ड 25 के सर्वांगीण विकास में कोई कसर नहीं जाएगी।

शिवसेना ने किया लावारिस शवों का अंतिम संस्कार

चित्तौड़गढ़। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में एक माह के दौरान मिले 7 अज्ञात शवों का शिव सेना ने हिन्दू रीति रिवाज के अनुसार अंतिम संस्कार किया। जानकारी के अनुसार शहर कोतवाली थानान्तर्गत एक वृद्ध, चंदेरिया थानान्तर्गत एक वृद्ध तथा वृद्धाश्रम में रह रहे एक अधेड़ व्यक्ति की बीमारी के दौरान मृत्यु हो गई। इसी प्रकार सदर थानान्तर्गत एक बुजुर्ग तथा एक साधु की मृत्यु, मंडफिया व मंगलवाड़ थानान्तर्गत एक-एक वृद्ध व्यक्ति की मौत हो गई, जिनकी शिनाख्त नहीं होने पर संबंधित थाना पुलिस के आग्रह पर शिव सेना जिला प्रमुख गोपाल वेद ने सभी सात शवों का शहर स्थित मोक्षधाम में हिन्दू रीति रिवाज के साथ अंतिम संस्कार किया। इस दौरान भारत विकास परिषद के अध्यक्ष महेश नुवाल, सचिव बृजेश मोदानी, कन्हैयालाल देवपुरा, इनरव्हील क्लब की ऋतु भोजवानी, राजेश ईनाणी, भेरूलाल शर्मा, मातेश्वरी गो कृपा के पुष्कर नराणिया, इस्माइल भाई, समाज सेवी हेमंत भट्ट, पार्षद अनिल ईनाणी, का सहयोग रहा।

शिक्षा विभाग का जर्जर भवन विद्यालय बच्चो को नजदीक विद्यालय में पढ़ने के निर्देश

अमरतिया स्कूल के विद्यार्थी पीथास नही जाना चाहते पढ़ना

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। सवाईपुर क्षेत्र के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय अमरतिया जो कि बड़ला ग्राम पंचायत से नवसर्जित ग्राम पंचायत सोपुरा में है, शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार जर्जर भवन होने पर नजदीक विद्यालय पीथास में अध्ययन हेतु आदेशित किया गया परंतु बच्चो एवम अभिभावकों को तीन किमी से अधिक दूर, बजरी दोहन भारी भरकम वाहन, जंगलात रास्ता होने से रास नहीं आ रहा, विद्यालय से बच्चो की पढ़ाई बाधित हो रही है, एसडीएमसी अध्यक्ष भैरू माली व रामसिंह ने बताया कि राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय अमरतिया में आठवीं तक 94 बच्चे अध्ययनरत है, विद्यालय भवन जर्जर होने से राज्य सरकार, शिक्षा विभाग द्वारा नकारा घोषित किया गया, जिस पर हाल ही शिक्षा विभाग के आदेशानुसार नजदीक विद्यालय में पढ़ाई हेतु पीथास विद्यालय आदेशित किया, परन्तु विद्यालय तीन किमी से अधिक दूरी, जंगलात रास्ता, अवैध बजरी दोहन हेतु सरपट दौड़ते भारी भरकम वाहन से बच्चो को दुर्घटना का अंदेशा के चलते या तो बच्चे पढ़ने नही जा रहे, अभिभावक भी भेजना नही चाहने से बच्चो की पढ़ाई बाधित हो रही है । इस पर ग्रामीणों ने सार्वजनिक स्थल तेजाजी मंदिर प्रांगण में टीन शेड लगाकर व्यवस्था कर अशोक पारीक एसीबीओ कोटड़ी से मिले लेकिन उन्होंने रिपोर्ट ही भेज देने का हवाला देकर ग्रामीणों को टरका दिया जिससे ग्रामीणों मैं आक्रोश है । कोटड़ी ब्लॉक उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह का कहना हे कि ग्रामीणों ने बच्चो को दूर का विद्यालय रास नहीं आने पर तेजाजी मंदिर प्रांगण पर नवनर्मित विद्यालय भवन तक पढ़ाई हेतु वैकल्पिक व्यवस्था कर उच्च अधिकारियों को अवगत करवाने के बावजूद आदेश नही होने से बच्चो की पढ़ाई बाधित हो रही है।

ट्रैक्टर ट्रोली से अवैध शराब जब्त, दो गिरफ्तार

बेगूं। आबकारी आयुक्त राजस्थान उदयपुर द्वारा चलाये जा रहे विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत आबकारी निरोधक दल ने कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर ट्रोली में तस्करी कर ले जाये जा रहे 768 देशी शराब के पव्वे एवं 24 बोतल बीयर जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त आबकारी आयुक्त जोन एवं नीति उदयपुर, जिला आबकारी अधिकारी चित्तौड़गढ़ गजेन्द्र सिंह राजपुरोहित के सुपरविजन तथा सहायक आबकारी अधिकारी आबकारी निरोधक दल जगदीश राम विश्नोई के नेतृत्व में प्रहराधिकारी आबकारी निरोधक दल ने थाना क्षेत्र से गुजर रहे ट्रैक्टर ट्रोली को रोक कर तलाशी ली तो ट्रोली में रखे 18 कागज के डिब्बे में छुपा कर रखे गये 768 देशी शराब राणा के पव्वे एवं 24 बोतल बीयर मिले, जिसे दल ने जब्त कर आरोपी भैरूलाल व राजूलाल रेगर को आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया।

खजूरी में दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण संपन्न

स्मार्ट हलचल | खजूरी

उप तहसील खजूरी के कृषि कार्यालय में राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन (हस्र्धह्र) योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत खजूरी के कृषकों के लिए दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन सहायक कृषि अधिकारी अनिल तिवाड़ी द्वारा किया गया, जिसमें क्षेत्र के 30 सरसों उत्पादक कृषकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान सेवानिवृत्त सहायक कृषि अधिकारी भूरालाल खाती, राधाकृष्ण कहार एवं सत्यनारायण छिपा ने कृषकों को सरसों की समय पर बुवाई, संतुलित उर्वरकों के उपयोग तथा सूक्ष्म पोषक तत्वों के माध्यम से प्रति हेक्टेयर उत्पादन बढ़ाने की वैज्ञानिक जानकारी दी। प्रशिक्षण में शामिल प्रगतिशील कृषक गोविंद पारीक, दिनेश पारीक, चंद्रप्रकाश पारीक, हाथीराम गुर्जर, ताराचंद सहित अन्य कृषकों ने बताई गई तकनीकों को अपनाकर खाद्य तेल उत्पादन बढ़ाने का भरोसा जताया। आयोजन से कृषकों में आधुनिक कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूकता बढ़ी।

श्री महेश पब्लिक स्कूल, प्राइमरी विंग के विद्यार्थियों ने किया फ्लावर शो का शैक्षणिक भ्रमण

फ्लावर शो का भ्रमण बच्चों के लिए न केवल आनंददायक बल्कि ज्ञानवर्धक : राजेश बाहेती

बच्चों ने प्रकृति के बीच समय बिताकर खुशी और उत्साह का अनुभव किया,घरों मे भी पौधे लगाने का लिया संकल्प

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। श्री महेश सेवा समिति द्वारा संचालित श्री महेश पब्लिक स्कूल, प्राइमरी विंग के कक्षा प्लेग्रुप से कक्षा 5 तक के विद्यार्थियों को शहर में आयोजित फ्लावर शो का शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया। श्री महेश सेवा समिति के कोषाध्यक्ष राजेश बाहेती ने बताया कि इस भ्रमण का उद्देश्य बच्चों में प्राकृतिक सौंदर्य के प्रति रुचि विकसित करना तथा उन्हें विभिन्न प्रकार के फूलों और पौधों की जानकारी देना था। फ्लावर शो में बच्चों ने रंग-बिरंगे फूलों, सजावटी पौधों, औषधीय पौधों एवं दुर्लभ प्रजातियों के पौधों को नज़दीक से देखा। बच्चों ने फूलों के नाम, उनके रंग, खुशबू और उपयोग के बारे में उत्सुकता से प्रश्न पूछे।इस अवसर पर शिक्षकों ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण, पौधों की देखभाल एवं हरियाली के महत्व के बारे में सरल शब्दों में जानकारी दी। बच्चों ने जाना कि पौधे हमारे जीवन के लिए कितने आवश्यक हैं और हमें उनकी रक्षा कैसे करनी चाहिए। यह भ्रमण बच्चों के लिए न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि आनंददायक भी रहा। बच्चों ने प्रकृति के बीच समय बिताकर खुशी और उत्साह का अनुभव किया। कई बच्चों ने अपने घरों मे भी पौधे लगाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर शहर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों एवं संगठनों ने अपनी सहभागिता निभाई। इसी क्रम में श्री महेश पब्लिक स्कूल, प्राइमरी विंग की ओर से भी आकर्षक एवं विविध प्रकार के पौधों का सुंदर प्रदर्शन किया गया। विद्यालय द्वारा लगाए गए पौधों ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। बच्चों द्वारा तैयार की गई इस प्रदर्शनी ने यह दर्शाया कि छोटी उम्र में ही विद्यार्थियों को प्रकृति प्रेम और हरियाली के महत्व से जोड़ना कितना आवश्यक है। फ्लावर शो में फ्लावर अरेंजमेंट प्रतियोगिता भी रखी गई, जिसमें विद्यालय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मोहन शरण (निंबार्क आश्रम), संत दास (हाथी भाटा) एवं सांसद दामोदर अग्रवाल ने भी फ्लावर शो का अवलोकन करने हेतु अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या निधि झा भार्गव ने कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण बच्चों में प्रकृति के प्रति प्रेम, जिज्ञासा और पर्यावरण संरक्षण की भावना को विकसित करते हैं। श्री महेश सेवा समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश नराणीवाल ने कहा कि विभिन्न रंग-बिरंगे पुष्पों और पौधों को प्रत्यक्ष रूप से देखकर बच्चों में जिज्ञासा और रचनात्मक सोच का विकास होता है। सचिव राजेंद्र कुमार कचौलिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि फ्लावर शो का शैक्षणिक भ्रमण बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक रहा। इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों में प्रकृति के प्रति प्रेम तथा पर्यावरण संरक्षण की समझ का विकास होता है। निर्देशक व विद्यालय प्रभारी दिनेश शारदा ने कहा कि विभिन्न प्रकार के पुष्पों और पौधों को नज़दीक से देखने का अनुभव बच्चों के सीखने की प्रक्रिया को रोचक और प्रभावी बनाता है। विद्यालय भविष्य में भी ऐसे ज्ञानवर्धक और अनुभवात्मक भ्रमण आयोजित करता रहेगा। विद्यालय परिवार की ओर से फ्लावर लवर्स समिति भीलवाड़ा के सभी पदाधिकारियों अध्यक्ष सुनील चौधरी, सचिव श्रीमती प्रेरणा सोमानी, कोषाध्यक्ष राकेश तिवारी को इस शैक्षणिक भ्रमण में सहयोग प्रदान करने के लिए आभार प्रकट किया गया।

काबरी गांव के विद्यालय में हंगामा, संस्था प्रधान के डेपुटेशन का विरोध

स्मार्ट हलचल | खजूरी

उप तहसील खजूरी अंतर्गत अमरगढ़ पंचायत के काबरी गांव स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय काबरी में शुक्रवार को उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब संस्था प्रधान के पद पर कार्यरत शिक्षिका अंशु बाला के बार-बार डेपुटेशन और अन्यत्र भेजे जाने के विरोध में ग्रामीणों और विद्यार्थियों का आक्रोश फूट पड़ा।

गुस्साए ग्रामीणों और विद्यालय के विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में धरना देकर शिक्षिका अंशु बाला को विद्यालय में स्थायी रूप से पद-स्थापित करने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार डेपुटेशन से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, जो आगामी परीक्षाओं के हित में उचित नहीं है।

धरने पर बैठे ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग के इस निर्णय को गलत बताते हुए इसे तुरंत निरस्त करने की मांग की। शंभू जी, देवकिशन जी, रघुनाथ जी, चौगा जी, नंदलाल जी धाकड़ सहित अन्य ग्रामीणों ने कहा कि विद्यालय में स्थायी संस्था प्रधान नहीं होने से शैक्षणिक व्यवस्था चरमरा रही है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगों पर विचार नहीं किया जाएगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

मतदाताओं का नाम सूची से काटने का प्रयास अनैतिक एवं संवैधानिक : आंजना

स्मार्ट हलचल|निंबाहेड़ा

लोकतंत्र की आन बान शान मतदाताओं से होती है एवं यदि इस मतदाता का नाम साजिश करके सूची से हटाने का प्रयास किया जाए तो कांग्रेस पार्टी मतदाताओं की लड़ाई लड़ने से कभी पीछे नहीं हटेगी। प्रशासन भाजपा नेताओं के निर्देश पर कार्य करना बंद करें एवं मतदाताओं से उनका अधिकार छिनने का अनेतिक प्रयास न करें अन्यथा कांग्रेस पार्टी सड़क से लेकर न्यायालय तक जनता की लड़ाई लड़ेगी। यह कथन पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने आज निम्बाहेड़ा उपखंड कार्यालय में अपने संबोधन में कहे जहां कांग्रेस कार्यकर्ता ब्लॉक एवं नगर कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर भाजपा एवं प्रशासन द्वारा मिलीभगत कर की जा रही वोट चोरी के खिलाफ एकत्रित हुए थे।

नगर कांग्रेस संगठन महासचिव रविप्रकाश सोनी ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों एवं बीएलओ पर दबाव बनाकर भाजपा विरोधी विचारधारा के मतदाताओ के नाम सूची से विलोपित करने एवं एडीएस सूची में से भाजपा समर्थित मतदाताओं के नाम पुनः सूची में जोड़ने को लेकर अनैतिक दबाव बनाया जा रहा है जिसके विरोध में निम्बाहेड़ा ब्लॉक एवं नगर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना के नेतृत्व में पेच परिसर स्थित कांग्रेस कार्यालय से उपखंड कार्यालय तक पैदल मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया एवं राज्य निर्वाचन आयुक्त के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सोपा।

इस अवसर पर पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने कार्यकर्ताओं एवं आम जनता को संबोधित करते हुए कहा कि नेता विपक्ष राहुल गांधी पिछले कई समय से वोट चोरी के मुद्दे को देश के समक्ष उठाते रहे हैं जिसका उदाहरण हमें निम्बाहेड़ा एवं छोटीसादड़ी उपखंड में देखने को मिल रहा है जहां भाजपा नेता प्रशासन पर दबाव बनाकर मतदाताओं के नाम सूची से कटवाने का प्रयास आकर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी जनता के हितों की रक्षा हेतु सदैव लड़ती आई है। आजादी से पहले हम गोरों यानी अंग्रेजों से लड़ाई लड़ते थे और अब हमें वोट चोर भाजपा से लड़ाई लड़नी है इसके लिए हमें जनता के साथ की आवश्यकता है। भाजपा निर्वाचन अधिकारियों पर दबाव बना प्रत्येक बूथ पर 30 से लेकर 75 नाम मतदाता सूची से कटवाना चाहती है ताकि आने वाले नगरी निकाय एवं पंचायती राज चुनाव में उन्हें फायदा मिल सके लेकिन यह लोकतंत्र की हत्या है क्योंकि मतदाता सूची के प्राण उसमें सूचीबद्ध हुए मतदाता ही होते है एवं यदि सूची से उसके प्राण यानी मतदाता ही छीन लिया जाएंगे तो यह सूची किस काम की।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संपत धाकड़ ने बताया कि निर्वाचन विभाग द्वारा एसआईआर प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद जब प्रथम ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी हो चुकी है तो उसके बाद किस आधार पर बीएलओ द्वारा प्रत्येक बूथ पर 30 से लेकर 75 मतदाताओं के नाम काटने के लिए आपत्ति फार्म स्वीकार किया जा रहे हैं यह जनता नहीं समझ पा रही है। प्रत्येक बूथ पर केवल एक-एक आदमी द्वारा इतनी बड़ी संख्या में आपत्ति फॉर्म प्रस्तुत करना भाजपा एवं उपखंड निर्वाचन विभाग की मिलीभगत को स्पष्ट इंगित करता है। जिन मतदाताओं के विरुद्ध भाजपा नेताओं द्वारा आपत्ति प्रस्तुत की जा रही है उन्हें बिना कोई नोटिस जारी किए एवं बिना उस मतदाता का पक्ष सुने उपखंड निर्वाचन अधिकारी निम्बाहेड़ा द्वारा स्वयं की डिजिटल आईडी से अपने स्तर पर ही प्रस्तुत आपत्तियों का निस्तारण करके मतदाताओं के नाम काटने की प्रक्रिया की जा रही है जो पूरी तरह से असंवैधानिक है। जबकि निर्वाचन विभाग के स्पष्ट निर्देश हैं कि किसी भी मतदाता के विरुद्ध आपत्ति प्राप्त होने पर बीएलओ द्वारा भौतिक सत्यापन करने के पक्ष अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की जाती है उसके बाद मतदाता को निर्वाचन अधिकारी के समक्ष द्वारा अपना पक्ष रखने के लिए नोटिस जारी किया जाता है एवं यदि मतदाता द्वारा नाम जोड़े रखने को लेकर सही साक्ष्य प्रस्तुत ना किए जा सके तत्पश्चात नाम काटने की प्रक्रिया को संपादित किया जा सकता है परंतु बीएलओ ने हमें बताया है कि उन पर राजनेताओं सहित बड़े अधिकारियों द्वारा गलत भौतिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का दबाव बनाया जा रहा है, साथ ही यह भी निर्देश दिए हुए हैं कि मतदाता का नाम सूची से काट दो उसके बाद अगर कोई विरोध करेगा तो पुरानी तारीखों में नोटिस प्रस्तुत कर देंगे ताकि उनकी नौकरी बची रह सके जिससे अधिकांश बीएलओ स्वयं व्यथित है क्योंकि वे इस गलत प्रक्रिया में भाग नहीं लेना चाहते है। बीएलओ द्वारा इस प्रक्रिया में समर्थन ना करने पर भाजपा नेताओं द्वारा उनका ट्रांसफर दूरस्थ क्षेत्र में कर देने की धमकीयां दी जा रही है।

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सुभाषचंद्र शारदा ने बताया कि निर्वाचन विभाग द्वारा सभी राजनीतिक दलों से बूथ वार बीएलए 2 की सूची ली हुई है जिनका सहयोग लेकर बीएलओ को मतदाताओं के नाम काटने या जोड़ने हैं परंतु राजनीतिक दबाव में कार्य कर रहे बीएलए केवल भाजपा के नेताओं से ही संपर्क कर रहे है जबकि निर्वाचन विभाग के स्पष्ट निर्देश है कि प्रत्येक बूथ पर सभी राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए से चर्चा के उपरांत ही किसी मतदाता का नाम मतदाता सूची से काटा या जोड़ा जाए। अतः सभी बीएलओ को निर्देश दिए जाएं कि वह राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए 2 से संपर्क करके ही प्रक्रिया को संपादित करें। साथ ही एसआईआर की ड्राफ्ट सूची में एडीएस सूची में सम्मिलित ऐसे मतदाता जो मौके पर अनुपस्थित थे या स्थाई रूप से अन्यत्र निवास करने लगे है को मतदाता सूची से विलोपित किया गया है परंतु भाजपा नेताओं द्वारा बीएलओ पर दबाव बनाकर एडीएस सूची में से भाजपा समर्थित मतदाताओं के नाम बिना बिना कोई वास्तविक दस्तावेज संलग्न किए पुनः अंतिम मतदाता सूची में जोड़ने का दबाव बनाया जा रहा है जो पूरी तरह अनैतिक एवं असंवैधानिक है।

जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम झवर ने बताया कि निर्वाचन विभाग द्वारा आगामी नगर निकाय एवं पंचायती राज चुनाव हेतु मतदाता सूची तैयार की जा रही है उसे एसआईआर के बाद जारी होने वाली अंतिम मतदाता सूची के आधार पर तैयार ना किया जाकर जनवरी 2025 की मतदाता सूची को आधार मानकर वार्डवार मतदाता सूची बनाई जा रही है जो एसआईआर की पूरी प्रक्रिया पर ही पानी फेर रही है। केंद्रीय निर्वाचन विभाग द्वारा अरबो रुपए खर्च करके एसआईआर प्रक्रिया संपादित की गई है तो उस मतदाता सूची का उपयोग ना करके क्यों पुरानी मतदाता सूची के आधार पर नवीन वार्डों की मतदाता सूची बनाई जा रही है यह समझ से परे है।

इस अवसर पर चित्तौड़गढ़ जिला फुटबाल संघ अध्यक्ष पूरण आंजना,कोषाध्यक्ष मनोज पारख, जिला कांग्रेस कमेटी महासचिव भोपराज टांक, मनोहर सिंह मीणा, रामगोपाल वैष्णव, सचिव नुसरत खान, रामेश्वर सालवी, आईदान गड़वी, ज़िला कांग्रेस विधि प्रकोष्ठ के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह सोलंकी, नगर कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ अध्यक्ष मोहम्मद कुरैशी, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन जनप्रतिनिधिगण अग्रिम संगठनों से जुड़े समस्त पदाधिकारीगण गणमान्यजन एवं नगर के आमजन व मीडियाकर्मी उपस्थित थे।

विधि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने मान्यता के निदान के लिए ज्ञापन दिया

स्मार्ट हलचल| ओम जैन

शंभूपुरा। विधि महाविद्यालय छात्र नेता अमित खटिक ने बताया कि चितौडगढ़ विधि महाविद्यालय में विभिन्न समस्याओ को लेकर राज्यपाल के नाम विधि महाविद्यालय प्राचार्य को ज्ञापन दिया गया।

पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष विक्रम जाट ने कहा कि पूर्ववृति कांग्रेस सरकार में चित्तौड़गढ़ को 2021-22 के बजट में विधि महाविद्यालय की सौगात मिली थी पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत की अनुशंसा पर तकरीबन पूरे संभाग में एक मात्र विधि महाविद्यालय की सौगात के साथ शीघ्र विधि महाविद्यालय की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति मिलने के साथ साथ भूमि आवंटन एवं भवन निर्माण तक शुरू हो गया था स्वीकृति के साथ पाड़नपोल स्थित एक सरकारी स्कूल के भवन में संचालित विधि महाविद्यालय हाल ही में अपने पूर्ण निर्मित भवन में संचालित होकर द्वितीय वर्ष के छात्र छात्राओं का विधि महाविद्यालय में अध्ययन चल रहा है।

प्रवक्ता नवरतन जीनगर ने बताया कि ज्ञापन में छात्र छात्राओं ने बताया कि महाविद्यालय की RAJ - CES सोसायटी से हटाकर स्थाई BCA की मान्यता प्रदान कराई जाए BCA की स्थाई मान्यता के अभाव में परीक्षा परिणाम एवं आगे की उच्च शिक्षा में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है यदि सरकारी एलएलबी की मान्यता मिल जाती है तो जिले में विधि शिक्षा का स्तर बढ़ेगा एवं विधि क्षेत्र में रुचि रखने वाले छात्र छात्राओं को शिक्षण संस्थान का लाभ प्राप्त होगा।

ज्ञापन देने वालों में गोपाल सालवी, भरत मेनारिया, भगवतीराम जाट, प्रकाश गिरी गोस्वामी, अक्षय शर्मा, विजय भाटी, राहुल वैष्णव, अमित नकवाल, मनीष कुमार सहित अन्य छात्र छात्राओं की मोजूदगी रही।

- स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस प्रोग्राम -

हिंसा और चोट के खिलाफ सुरक्षा का दिया संदेश

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

जिले के राजकीय विद्यालयों में आयुष्मान भारत योजना के तहत संचालित स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस प्रोग्राम अंतर्गत आज विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया इस दौरान विभिन्न स्थानों पर सत्र आयोजित किए गए जिसमें विद्यार्थियों को हिंसा, दुर्व्यवहार, और असुरक्षित स्थितियों की समझ विकसित करने का संदेश दिया गया।

डाइट प्रिंसिपल शीला काहाल्या के अनुसार आरएससीईआरटी उदयपुर के निर्देशन में डाइट उदयपुर के परिक्षेत्र के समस्त राजकीय उच्च माध्यमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों में स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस प्रोग्राम संचालित किया जा रहा है जिसके तहत आज विद्यालयों में साप्ताहिक कैलेंडर अनुसार प्रदत्त थीम पर एक्टिविटी आयोजित की गई।

कार्यक्रम के डिस्ट्रिक्ट सब को-ऑर्डिनेटर त्रिभुवन चौबीसा के अनुसार आज प्रत्येक शिक्षार्थी को हिंसा और चोटों (क्षति) से खुद को सुरक्षित रखने के लिए ज्ञान और कौशल विकसित करने एवं सभी के लिए सुरक्षित वातावरण तथा दुर्व्यवहार, हिंसा और जोखिम भरे व्यवहार के विभिन्न रूपों की समझ विकसित करने के उद्देश्य से जिले के राबाउमावि फलासिया में हैल्थ एम्बेसडर पवन कुमार, दांतीसर में ज्योति सोलंकी ,देपुर में शारदा कुमारी मीणा, फलासिया में पवन कुमार, एम जी जी एस लसाडिया में मोहित रैगर, राबाउप्रावि फलीचड़ा में नेहा पारीक , आंबा फला में डॉ प्रेमलता शर्मा, वरनोदा भींडर में रमेश चौबीसा,वाव फला में पूनम त्रिवेदी, ब्लॉक मावली में जमनेश सुथार शा0शिक्षक ने हिंसा एवं चोटों से सुरक्षा के संदेश स्वरूप वार्ताएं प्रस्तुत की।

इस अवसर पर कॉमिक स्ट्रिप,चर्चा,केस स्टडी,स्थितियों पर चर्चा, प्रश्नोत्तरी, रोल प्ले,मानचित्रण व्यायाम,पोस्टर आदि तरीकों से प्रतिक्रिया करने के लिए प्रभावी तरीकों की समझ विकसित करने का प्रयास किया गया जिससे विद्यार्थी स्वयं को और दूसरों को सुरक्षित रखने में समर्थ बन सके।

इसके साथ ही जिले के एमजीजीएस वाना, पीपली बी, बोरीकुआं, अमरपुरा गिर्वा, सुलाव कोटड़ा, रिजवा घाटी,उगमना कोटड़ा, आड, खराड़ी फला खाड़ी ओबरी, उपलावास कुंडाल, खरपीना, सालेरकलां, सहित जिले के विभिन्न राजकीय विद्यालयों में मंगलवार को लघु नाटिका, वार्ताओं,स्मार्ट बोर्ड और टीवी के माध्यम से हिंसा एवं चोटों से सुरक्षा पर जानकारी सांझा की गई तथा शक्ति दिवस मनाया जाकर आयरन फोलिक एसिड टैबलेट्स का वितरण किया गया है।

जैन युवा परिषद उदयपुर द्वारा आयोजित 3 दिवसीय ट्रेड फेयर एवं खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ समापन

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

जैन युवा परिषद की ओर से गमेर बाग में संपूर्ण दिगम्बर जैन समाज के लिए तीन दिवसीय प्रथम बार ग्लोबल ट्रेड फेयर-2026 का आयोजन बड़ी भव्यता के साथ संपन्न हुआ। जैन युवा परिषद के रविश मुंडलिया ने बताया कि इस ट्रेड फेयर का उद्देश्य समाज के महिला उद्यमी, नवीन उद्योग , कुटीर उद्योग , सेवा प्रदाता को अपने अपने व्यापार की प्रचार प्रसार एवं जागरूकता बढ़ाना हैं। इस ट्रेड फेयर के मुख्य प्रायोजक श्री दिगम्बर जैन ग्लोबल महासभा, लक्ष्मी देवी जमनालाल हपावत एवं सुशीला देवी शांतिलाल वेलावत परिवार जन हैं । इस ट्रेड फेयर में लगभग 60 स्टॉल धारकों द्वारा अपने व्यापार से संबंधित उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। जिसमें समाज़ के लगभग 3500-4000 लोगों द्वारा खरीदारी की गयी एवं फ़ूड स्टाल पर कई तरह के व्यंजनों का लुत्फ उठाया। इस आयोजन में विशेष रूप से सेठ शांतिलाल विमल गदावत, सेठ मांगीलाल लखावला, परिषद संरक्षक राजेशजी गदावत, विक्रम देवड़ा, रविश मुंडलिया, अध्यक्ष जितेन्द्र जोलावत, सचिव भूपेन्द्र मुंडफोड़ा एवं परिषद् की सम्पूर्ण कार्यकारिणी सदस्यों का कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग रहा। 9 जनवरी 2026 को शाम को भक्ति संध्या एवं 10 जनवरी 2026 को शाम को सांस्कृतिक संध्या एवं जैन युवा परिषद की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। साथ ही दिनांक 11 जनवरी रविवार को गमेर बाग में स्व. श्रीमान सेठ सा. देवीलाल लखावला की पावन स्मृति में दशा नागदा समाज जन के लिए खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें मुख्य प्रायोजक सेठ सा मांगीलाल लखावला , सविना का सहयोग रहा । इस आयोजन में लगभग 500 खिलाडियो द्वारा समस्त खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया । विशेष रूप से आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता में 10 टीमों ने भाग लिया जिसमें गाँव उथरदा की टीम विजेता रही एवं गाँव चावण्ड की टीम उप विजेता रही । समारोह के अंत में पारितोषिक वितरण एवं सम्मान समारोह रखा गया जिसमें जैन युवा परिषद द्वारा सभी अतिथि गण , स्टॉलधारकों , खिलाडियों एवं समाज के विशिष्ट जन का सम्मान किया गया ।

सम्पूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन श्री लोकेश जोलावत एवं भूपेन्द्र मुंडफोड़ा द्वारा किया गया। इस तीन दिवसीय आयोजन की सफलता समाज जन की एकता एवं एक - दूसरे के प्रति समर्पण की भावना के बिना असंभव है । सम्पूर्ण कार्यकारिणी इस आयोजन को सफल बनाने के लिए लगभग 2 महीने से अधिक मेहनत कर रही हैं। सम्पूर्ण जानकारी जैन युवा परिषद के सूचना प्रसार सचिव कमल देवड़ा ने दी हैं।

मुंडावरा के महात्मा गांधी विद्यालय में भामाशाहों ने बच्चों को बांटी जर्सी

स्मार्ट हलचल

नारायणपुर। ग्राम पंचायत मुण्डावरा स्थित राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय में सोमवार को भामाशाह अरविन्द गोयल और गिर्राज प्रसाद गोयल के सौजन्य से विद्यालय के 150 छात्र-छात्राओं को शीतकालीन जर्सी वितरित की गई। जर्सी वितरण का यह कार्य मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री शकुंतला रावत के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। बच्चों को जर्सी पहनाते हुए पूर्व मंत्री ने भामाशाहों के सेवाभावी जज्बे की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और कहा कि समाज के समर्थ वर्ग को इसी तरह आगे आकर सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत जरूरतमंद बच्चों की मदद करनी चाहिए। गौरतलब है कि गोयल परिवार सामाजिक सरोकार के कार्यों में सदैव अग्रणी रहता है और इससे पूर्व भी इन भामाशाहों द्वारा विद्यालय में बच्चों को स्टेशनरी और पठन-सामग्री वितरित कर प्रोत्साहित किया जा चुका है। विद्यालय के प्रधानाचार्य शीशराम पलसाना ने अतिथियों का स्वागत किया और भामाशाहों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे विद्यालय के लिए एक अनुकरणीय पहल बताया। इस वितरण समारोह के दौरान ब्लॉक अध्यक्ष राजू रैगर, नगर अध्यक्ष सुभाष सैनी, रोहिताश सैनी, रामकरण धाबाई, महेश यादव, पूरण भूमला, छाजू सैनी, मछन्दर जाट, बजरंग सैनी, रामेश्वर गढ़वाल और गोपाल सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्रामीण और स्कूली विद्यार्थी मौजूद रहे।

गृह मंत्री मामा नाटुंग ने किया नवनिर्वाचित मेयर का स्वागत

ईटानगर के विकास और नागरिक सुविधाओं पर हुई विस्तृत चर्चा

स्मार्ट हलचल | ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश के गृह मंत्री मामा नाटुंग ने ईटानगर की नवनिर्वाचित मेयर श्रीमती लिखा नारी तादर का अपने निवास पर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर ईटानगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (ढ्ढरूष्ट) के आयुक्त केगो जिलेन भी उनके साथ उपस्थित रहे। गृह मंत्री ने मेयर को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल और प्रभावशाली कार्यकाल की कामना की।

भेंट के दौरान गृह मंत्री मामा नाटुंग और मेयर श्रीमती लिखा नारी तादर के बीच शहर के समग्र विकास, नागरिक सुविधाओं के विस्तार और जनकेंद्रित प्रशासन को लेकर सार्थक चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने ईटानगर को एक सुव्यवस्थित, स्वच्छ और आधुनिक शहर के रूप में विकसित करने के लिए मिलकर कार्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

नागरिक विकास और शहरी प्रशासन पर फोकस

गृह मंत्री मामा नाटुंग ने कहा कि ईटानगर राज्य की राजधानी होने के साथ-साथ प्रशासनिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण शहर है। ऐसे में शहरी ढांचे को मजबूत करना, यातायात व्यव-स्था सुधारना, स्वच्छता, पेयजल और मूलभूत सुविधाओं का विस्तार प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नवनिर्वाचित मेयर के नेतृत्व में नगर निगम जनहित से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी निर्णय लेगा। मेयर श्रीमती लिखा नारी तादर ने भी शहरवासियों के हित में पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि नगर निगम नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर संवाद और सहभागिता के साथ काम करेगा।

बेहतर ईटानगर के लिए समन्वय पर जोर

बैठक में शहरी प्रशासन को और अधिक सशक्त बनाने, विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा आम जनता को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। गृह मंत्री ने मेयर को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार ईटानगर के विकास कार्यों में हर संभव सहयोग प्रदान करेगी।

भेंट के अंत में गृह मंत्री मामा नाटुंग ने मेयर श्रीमती लिखा नारी तादर को इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए पुनः शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में ईटानगर विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा।

मनरेगा बचाओ महासंग्रामः हाजीपुर में पूर्व मंत्री शकुंतला रावत ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

स्मार्ट हलचल |बानसूर

मनरेगा बचाओ महासंग्राम अभियान के तहत मंगलवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री शकुंतला रावत ग्राम पंचायत हाजीपुर पहुंचीं, जहां उन्होंने नरेगा कर्मियों और ग्रामीणों से संवाद कर मनरेगा में किए गए बदलावों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान रावत ने काम की गारंटी, मजदूरी की गारंटी, जवाबदेही की गारंटी सुनिश्चित करने, मनरेगा में किए गए सभी बदलावों की तत्काल वापसी, काम के संवैधानिक अधिकार की पूर्ण बहाली तथा नरेगा कर्मियों का न्यूनतम वेतन 400 रुपये प्रतिदिन करने की मांग उठाई। पूर्व मंत्री ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि मनरेगा का नाम बदलना, महात्मा गांधी का नाम हटाने का प्रयास और योजना के स्वरूप में बदलाव गरीब, मजदूर और ग्रामीण भारत के अधिकारों पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि मनरेगा सिर्फ रोजगार योजना नहीं, बल्कि गरीबों के सम्मान और आजीविका की गारंटी है, जिसे कमजोर नहीं होने दिया जाएगा। इस अवसर पर विधानसभा प्रभारी श्रीराम गुर्जर, सीमांत पटेल, रामसिंह कटारिया, रतन टेलर, फूलचंद सैनी, राजू स्वामी, देवाराम ठेकेदार, पूर्व सरपंच सुरज्ञानी सहित बड़ी संख्या में नरेगा कर्मी और ग्रामीण मौजूद रहे।

मीणा बोले—सौराष्ट्र-कच्छ को बनाएंगे बागवानी निर्यात का हब

राजकोट समिट में तिलहन, कृषि निर्यात और किसानों की आय बढ़ाने पर जोर

स्मार्ट हलचल

राजकोट (गुजरात)। गुजरात के राजकोट में 11 व 12 जनवरी 2026 को आयोजित दो दिवसीय समिट में कृषि और निर्यात क्षेत्र की संभावनाओं पर गहन मंथन हुआ। समिट में गुजरात सरकार के कृषि एवं सहकारिता विभाग के प्रमुख सचिव ढ्ढस्ि रमेश चंद मीना ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता* सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र को बागवानी निर्यात का बड़ा केंद्र (हब) बनाने की है। इसके लिए उत्पादन से लेकर प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक किसानों को जोड़ा जाएगा।*

समिट के दौरान दो संवादात्मक सेमिनारों का आयोजन किया गया। पहले सेमिनार में तिलहन फसलों के उत्पादन, गुणवत्ता सुधार और निर्यात अवसरों पर चर्चा की गई, जबकि दूसरे सेमिनार में सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र में बागवानी फसलों के निर्यात की संभावनाओं पर विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए। सेमिनारों में कृषि वैज्ञानिकों, निर्यातकों, उद्यमियों, सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों और किसानों ने सक्रिय भागीदारी की।

तिलहन और बागवानी से किसानों की आय बढ़ाने पर फोकस

प्रमुख सचिव मीणा ने कहा कि गुजरात तिलहन उत्पादन में अग्रणी राज्यों में शामिल है, लेकिन अब आवश्यकता मूल्य संवर्धन और निर्यात पर अधिक ध्यान देने की है। उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि तकनीक, उन्नत बीज, वैज्ञानिक खेती और पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट को अपनाकर किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है।

उन्होंने सौराष्ट्र और कच्छ की जलवायु को बागवानी के लिए अनुकूल बताते हुए कहा कि यहां के फल और सब्जियां वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता रखती हैं। किसानों को निर्यात मानकों, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग और कोल्ड चेन की जानकारी देकर अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ा जाएगा।

विभागीय प्रदर्शनी रही आकर्षण का केंद्र

समिट में कृषि, किसान कल्याण एवं सहकारिता विभाग की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। प्रदर्शनी में राज्य सरकार की किसान हितैषी योजनाएं, सहकारी मॉडल, आधुनिक कृषि यंत्र, जैविक खेती, स्टार्टअप्स और निर्यात को प्रोत्साहित करने वाली पहलें प्रदर्शित की गईं। बड़ी संख्या में किसानों और आगंतुकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर योजनाओं की जानकारी ली।

निर्यात को मिलेगी नई दिशा

वक्ताओं ने कहा कि इस तरह के आयोजन किसानों, नीति निर्माताओं और निर्यातकों के बीच सीधा संवाद स्थापित करते हैं। इससे न केवल समस्याओं का समाधान निकलता है, बल्कि कृषि और बागवानी उत्पादों के निर्यात को नई दिशा भी मिलती है। समिट के माध्यम से निवेश, नवाचार और सहकारिता को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया।

समापन सत्र में प्रतिभागियों ने कहा कि यदि सरकार, किसान और निजी क्षेत्र मिलकर कार्य करें, तो गुजरात को देश के अग्रणी कृषि एवं बागवानी निर्यात राज्यों में शामिल किया जा सकता है। समिट से निकले सुझावों को नीतिगत स्तर पर लागू करने की आवश्यकता जताई गई।

लॉयंस क्लब ने जरुरतमंद लोगों को भोजन कराया

निम्बाहेड़ा। लॉयंस क्लब द्वारा प्रांतीय निर्देशों की पालना में 3 से 11 जनवरी तक मनाये गये ग्लोबल सप्ताह हंगरी कार्यक्रम के तहत रविवार को स्थानीय लॉयंस क्लब के सदस्यों ने जरुरतमंद लोगों को भोजन कराया। जानकारी के अनुसार रविवार को लॉयंस क्लब के सदस्यों ने ग्लोबल सप्ताह हंगरी कार्यक्रम के तहत नगर में संचालित अन्नपूर्णा भोजनालय पर जरुरतमंद लोगों को भोजन कराया गया। इस कार्यक्रम में आईडोनेशन चेयरमैन लॉयन डॉ. जैएम जैन, अध्यक्ष नानालाल भूतड़ा, पूर्व रीजन चेयरमैन सुरेश तोतला, विनोद कुमार माहेश्वरी, कुंजबिहारी अग्रवाल, राजकुमार रायपुरिया आदि ने सहयोग प्रदान किया।

सरकारी विद्यालय की छत गिरी, जनहानि टली

कुछ समय की देरी ले सकती थी बच्चों की जान, प्रशासन की गंभीर लापरवाही

स्मार्ट हलचल| लाखेरी

गेंडोली अंतगर्त फोलाई ग्राम पंचायत के भैंसखेड़ा गांव में मंगलवार को एक भयावह हादसा होते-होते टल गया। गांव के सरकारी विद्यालय की एक कक्षा की जर्जर छत अचानक भरभराकर गिर गई, जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सौभाग्यवश हादसे के समय विद्यालय कक्षा कक्ष में बच्चे मौजूद नहीं थे, जिससे एक बड़ी जनहानि टल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना से महज 10 मिनट पहले ही बच्चों को कक्षा से बाहर निकाला गया था। कुछ ही पलों बाद कक्षा की छत ढह गई। यदि यह हादसा पढ़ाई के दौरान होता, तो मासूम बच्चों की जान खतरे में पड़ सकती थी और झालावाड़ जैसी हृदयविदारक घटना दोहराई जा सकती थी।

झालावाड़ हादसे की यादें ताजा, ग्रामीणों में दहशत

इस घटना ने हाल ही में झालावाड़ जिले में हुए स्कूल भवन हादसे की यादें ताजा कर दीं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शिक्षक समय रहते बच्चों को बाहर नहीं निकालते, तो हालात बेहद भयावह हो सकते थे। गांव में घटना के बाद भय और आक्रोश का माहौल है। इससे प्रतीत हो रहा है कि सरकारी आदेशों की खुली अवहेलना की जा रही है। ग्रामीणों और अभिभावकों ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार द्वारा जर्जर और खंडहर विद्यालय भवनों में बच्चों को बैठाने पर रोक के स्पष्ट आदेश जारी किए जा चुके हैं, इसके बावजूद भैंसखेड़ा विद्यालय सहित कई स्कूलों में इन आदेशों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि खंडहर की हालत में पहुंचे विद्यालय भवनों की न तो मरम्मत करवाई गई और न ही उन्हें जमींदोज किया गया, जबकि विभाग को इसकी जानकारी लंबे समय से थी।

शिक्षकों की सतर्कता से टली अनहोनी

विद्यालय के एक शिक्षक ने बताया कि हादसे से करीब 10 मिनट पहले ही मैंने बच्चों को उस कक्षा से बाहर निकाल लिया था। यदि थोड़ी भी देर हो जाती, तो किसी अनहोनी से इनकार नहीं किया जा सकता था।

बच्चों की जान से खिलवाड़ का आरोप

ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानाध्यापक व शिक्षक स्वयं जर्जर कमरों में बैठते हैं और बच्चों को भी उन्हीं कमरों में पढ़ाया जाता है, जो सीधे तौर पर बच्चों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। यह लापरवाही देश के भविष्य माने जाने वाले बच्चों की जान पर भारी पड़ सकती है। शिक्षा विभाग कटघरे में खड़ा है। यह घटना सरकारी स्कूलों की बदहाल स्थिति और शिक्षा विभाग की उदासीन कार्यप्रणाली को उजागर करती है। ग्रामीणों का कहना है कि झालावाड़ हादसे के बाद ही प्रशासन की नींद खुली, लेकिन जमीनी स्तर पर अब तक ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि जर्जर विद्यालय भवनों की तत्काल तकनीकी जांच कराई जाए खंडहर कक्षाओं को तुरंत सील किया जाए।

जिम्मेदार प्रधानाध्यापक व अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो

बच्चों के लिए सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो वे जन आंदोलन करने को मजबूर होंगे। फिलहाल प्रशासन ने मामले की जांच का आश्वासन दिया है, लेकिन ग्रामीण अब सिर्फ आश्वासन नहीं, ठोस कार्रवाई चाहते हैं।

विराटनगर के बंधमुजफ्फरपुर में सवाई चक जमीन विवाद ने लिया हिंसक रूप

आगजनी-तोड़फोड़,फायरिंग का आरोप

स्मार्ट हलचल

विराटनगर। पुलिस थाना क्षेत्र के बंधमुजफ्फरपुर गांव में सवाई चक जमीन पर कब्जे को लेकर देर रात्रि दो पक्षों के बीच विवाद उग्र हो गया। जिसमें एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर फायरिंग करने का आरोप लगाया है। घटना के दौरान दो मोटरसाइकिलों को आग के हवाले कर दिया गया, जबकि एक बोलेरो गाड़ी में तोड़फोड़ कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इस पूरे घटनाक्रम में एक व्यक्ति घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद उप जिला चिकित्सालय विराटनगर से जयपुर रेफर किया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी नाजिम अली खान, थाना अधिकारी सोहनलाल, विराटनगर सीओ उमेश निठारवाल व बानसूर सीओ मेगा गोयल सहित पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा और हालात को नियंत्रित किया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच में जुटी हुई है और यह पता लगाया जा रहा है कि विवाद किन कारणों से उपजा तथा आरोपों की सच्चाई क्या है फिलहाल मौके पर शांति है।

आभानेरी में श्री देवनारायण जन्मोत्सव को लेकर गुर्जर समाज की बैठक

स्मार्ट हलचल| आभानेरी

कस्बे में स्थित श्री देवनारायण भौणा जी मंदिर परिसर में गुर्जर समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति बांदीकुई के अध्यक्ष मोहरसिंह माल ने की। मंदिर कमेटी सदस्य चरणसिंह माल ने जानकारी देते हुए बताया कि भगवान श्री देवनारायण के जन्मोत्सव के अवसर पर 25 जनवरी को आभानेरी में भव्य एवं विशाल मेले का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रातः 10 बजे श्री देवनारायण भौणा जी मंदिर से विशाल कलश यात्रा (शोभायात्रा) निकाली जाएगी।कलश यात्रा चांद बावड़ी, हर्षित माता मंदिर, बस स्टैंड, बड़ियाल रोड, मोबाइल टावर सहित कस्बे के प्रमुख मार्गों से होती हुई पुनः मंदिर परिसर पहुंचेगी, जहां मेले में कलश विसर्जन किया जाएगा। इसी दिन दोपहर 12 बजे से भरतपुर की प्रसिद्ध हरि कीर्तन दंगल पार्टी अपनी भक्ति प्रस्तुतियां देगी। मेले में विभिन्न जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही श्रद्धालुओं के लिए सामूहिक रूप से विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मेले की पूर्व संध्या 24 जनवरी की रात्रि को भगवान श्री देवनारायण का भव्य जागरण आयोजित किया जाएगा। बैठक में गुर्जर समाज के अनेक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आई बैंक सोसायटी कोटा चैप्टर को राज्यपाल का सम्मान, अब तक 2100 से अधिक नेत्रदान संकलित

स्मार्ट हलचल|कोटा

स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती एवं युवा दिवस के अवसर पर भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित सेवा संगम सम्मान कार्यक्रम में आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, कोटा चैप्टर को नेत्रदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान के राज्यपाल माननीय हरिभाऊ किसन राव बागड़े ने संस्था को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, कोटा चैप्टर वर्ष 2011 से निरंतर नेत्रदान एवं जनजागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। संस्था अब तक 2100 से अधिक नेत्रदान संकलित कर चुकी है। वर्ष 2025 में कोटा शहर से 113 जोड़ी नेत्रदान प्राप्त किए गए, जिनकी उपयोगिता दर लगभग 70 प्रतिशत रही, जो प्रदेश स्तर पर एक उल्लेखनीय उपलब्धि मानी जा रही है। डा कंजोलिया ने बताया कि बीते तीन महीनों में भी संस्था द्वारा 32 नेत्रदान प्राप्त किए गए हैं,यह संगठन राजस्थान में अग्रणी संस्थाओं में शामिल हो गया है। कार्यक्रम में आई बैंक सोसायटी की ओर से डॉ. के.के. कंजोलिया (प्रेसिडेंट), सुरेश सेठवाल (सचिव) एवं टिंकू ओझा ने सम्मान ग्रहण किया।

स्मैक बेचते हुए दो युवक गिरफ्तार, स्मैक बिक्री के 33000 नगद बरामद

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। भवानी मंडी पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो युवकों को स्मैक की पुड़िया बेचते हुए गिरफ्तार किया उनके पास स्मैक पुड़िया बिक्री के 33000 रुपये नगद बरामद की है। भवानी मंडी पुलिस उप अधीक्षक प्रेम कुमार ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार तथा अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक भागचंद मीणा के निर्देशानुसार पूरे जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया हुआ है इस अभियान के तहत भवानी मंडी थाना अधिकारी प्रमोद कुमार को सूचना मिली कुछ व्यक्ति वाणिज्यिक मात्रा में मादक पदार्थ खरीद कर अपने कब्जे में रखते हैं तथा उक्त मादक पदार्थों की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर स्वयं अथवा परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर भिन्न-भिन्न स्थानों पर विभिन्न लोगों को बेचान करते हैं मुखबीर द्वारा

सबूत के तौर पर मादक पदार्थ की खरीद के संबंध में की गई वीडियो रिकॉर्डिंग पेश की जिस पर सूचना की पुष्टि हुई इस पर भवानी मंडी थाना अधिकारी प्रमोद कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा आम रोड मेला मैदान में संदिग्ध व्यक्ति इलियास ग्रुप हीरो एवं अमित को नियम अनुसार तलाशी लेने पर उन दोनों के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ इसमें की चार पुड़िया मिला जिनके शुद्ध वजन 2 ग्राम 22 मिलीग्राम है दोनों आरोपियों को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर लिया गया पुलिस उप अधीक्षक प्रेम कुमार ने बताया कि दोनों आरोपीयों इलियास उर्फ हीरो पुत्र चांद मोहम्मद जाति मुसलमान उम्र 40 साल निवासी भवानी मंडी कंगालीपुरा। दरगाह मोहल्ला के खिलाफ 24 अपराधिक प्रकरण पूर्व में पंजीकृत है आर्म एक्ट। एक्साइज एक्ट। चोरी । आबकारी अधिनियम तथा अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज है इसी तरह दूसरे आरोपी अमित पुत्र सीताराम जाती मेहर उम्र 40 साल निवासी वसुंधरा कॉलोनी झालरापाटन पुलिस थाना झालरापाटन जो गंगपुर का खेड़ा के विरुद्ध भी भवानी मंडी तथा झालरापाटन थाने में 14 अपराधिक प्रकरण पंजीकृत हैं डीवाईएसपी प्रेम कुमार ने बताया कि इस कार्रवाई में गठित पुलिस टीम में थाना अधिकारी प्रमोद कुमार कांस्टेबल विकास। महेश कुमार । चुरामन प्रेमाराम आदि शामिल थे।

आभानेरी में श्री देवनारायण जन्मोत्सव को लेकर गुर्जर समाज की बैठक

25 जनवरी को विशाल मेला

स्मार्ट हलचल| आभानेरी

कस्बे में स्थित श्री देवनारायण भौणा जी मंदिर परिसर में गुर्जर समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति बांदीकुई के अध्यक्ष मोहरसिंह माल ने की।

मंदिर कमेटी सदस्य चरणसिंह माल ने जानकारी देते हुए बताया कि भगवान श्री देवनारायण के जन्मोत्सव के अवसर पर 25 जनवरी को आभानेरी में भव्य एवं विशाल मेले का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रातः 10 बजे श्री देवनारायण भौणा जी मंदिर से विशाल कलश यात्रा (शोभायात्रा) निकाली जाएगी।

कलश यात्रा चांद बावड़ी, हर्षित माता मंदिर, बस स्टैंड, बड़ियाल रोड, मोबाइल टावर सहित कस्बे के प्रमुख मार्गों से होती हुई पुनः मंदिर परिसर पहुंचेगी, जहां मेले में कलश विसर्जन किया जाएगा।

इसी दिन दोपहर 12 बजे से भरतपुर की प्रसिद्ध हरि कीर्तन दंगल पार्टी अपनी भक्ति प्रस्तुतियां देगी। मेले में विभिन्न जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही श्रद्धालुओं के लिए सामूहिक रूप से विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

मेले की पूर्व संध्या 24 जनवरी की रात्रि को भगवान श्री देवनारायण का भव्य जागरण आयोजित किया जाएगा। बैठक में गुर्जर समाज के अनेक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एसडीएम श्रद्धा गोमे की भवानीमंडी को हार्ट सेफ बनाने की ऐतिहासिक पहल - उपखंड कार्यालय में हुआ सीपीआर प्रशिक्षण

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। भवानी मंडी उपखंड कार्यालय में सीपीआर फर्स्ट एड एवं बी एल एस पर एक दिवसीय कार्यालय का आयोजन किया गया। उप खंड कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़ के निर्देश एवं सीएमएचओ डॉ. साजिद खान तथा बीसीएमओ डॉ. सुनील मीणा के मार्गदर्शन में भवानीमंडी उपखंड कार्यालय में 'हार्ट सेफ झालावाड़ - सीपीआर मित्र अभियान' के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण सीपीआर, बीएलएस एवं फर्स्ट-एड प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीएम श्रद्धा गोमे (आईएएस) ने की।

इस अवसर पर पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, विभिन्न कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारी एवं आम नागरिकों ने सहभागिता करते हुए सीपीआर, बेसिक लाइफ सपोर्ट, स्नेक बाइट, रैबीज़, चोकिंग एवं ट्रॉमा के दौरान जीवन-रक्षक तकनीकें सीखी। प्रशिक्षण का संचालन जिला सीपीआर नोडल अधिकारी डॉ. शुभम पाटीदार एवं उनकी टीम सदस्य त्रिलोक नागर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डीवाईएसपी प्रेम चौधरी सहित विभिन्न विभागों

के अधिकारी उपस्थित रहे।

एसडीएम श्रद्धा गोमे ने अपने संबोधन में कहा कि कार्डियक अरेस्ट के पहले 10 मिनट–गोल्डन टाइम–में दिया गया सीपीआर किसी भी व्यक्ति की जान बचा सकता है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को यह जीवन-रक्षक कौशल अवश्य सीखना चाहिए। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए इसे जन-स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस अभियान को निरंतर जारी रखते हुए सम्पूर्ण भवानीमंडी उपखंड में इसे विस्तार देने हेतु प्रशासन पूर्ण सहयोग करेगा और जनभागीदारी को प्रोत्साहित किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि 'हार्ट सेफ झालावाड़ - सीपीआर मित्र अभियान' के अंतर्गत अब तक जिले में 25,000 से अधिक नागरिकों को सीपीआर में प्रशिक्षित किया जा चुका है, जिससे झालावाड़ को एक सुरक्षित, सजग और जीवन-रक्षक समुदाय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

एनएचएम संविदा कार्मिकों ने की नियमितीकरण की मांग

चित्तौड़गढ़। राजस्थान में कई वर्षों से संविदा पर कार्य कर रहे चिकित्सा विभाग के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा कर्मचारी सोमवार को सामूहिक अवकाश पर रहे, जिससे विभागीय कार्य प्रभावित रहे।

एनएचएम मैनेजमेंट संवर्ग के अध्यक्ष राहुल जैन ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत 4518 पदों के राजस्थान कांट्रेक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स 2022 के तहत वर्तमान में पात्र कार्मिकों को नियमित करण करने हेतु चिकित्सा विभाग द्वारा संपूर्ण प्रक्रिया करने के बावजूद उक्त कार्मिकों को नियमितिकरण का लाभ नहीं दिया गया। सीएसआर रूल्स आने के बाद कई कार्मिकों की असामायिक मृत्यु हो चुकी है, उनको भी किसी तरह का आर्थिक परिलाभ नहीं मिला। वही नियम आने के 3 वर्ष से अधिक समय हो जाने के बावजूद भी एक भी एनएचएम प्रबंधकीय संविदा कर्मचारी को नियमित नहीं किया गया।

पहली बार पूर्ण महिला कैबिनेट गठित, वर्धमान ग्रुप ने रचा नया अध्याय

वर्धमान ग्रुप में महिला नेतृत्व का ऐतिहासिक अध्याय, 22 सदस्यीय कार्यकारिणी ने ली शपथ

स्मार्ट हलचल|कोटा

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, कोटा राजस्थान रीजन द्वारा आयोजित वार्षिक स्नेह मिलन समारोह-2026 में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप वर्धमान ने संगठनात्मक इतिहास में नया अध्याय जोडते हुए पहली बार पूरी कार्यकारिणी का गठन केवल महिला सदस्यों द्वारा किया गया।

समारोह में 22 सदस्यीय जम्बो कार्यकारिणी ने देव-शास्त्र-गुरु की साक्षी में सेवा एवं दायित्व की शपथ ली। शपथ ग्रहण राष्ट्रीय महासचिव विनय जैन ने कराया। नव निर्वाचित अध्यक्ष सीमा बागड़िया ने कहा कि संगठन समाज सेवा, जिन धर्म प्रभावना, मानवीय मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व के कार्यों को वर्धमान ग्रुप की परंपरा के अनुरूप और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगा। वर्ष 2026 के लिए अध्यक्ष सीमा बागड़िया एवं सचिव श्वेता जैन

के नेतृत्व में गठित यह महिला टीम संगठन की गतिविधियों का संचालन करेगी। यह ग्रुप के लिए पहली बार है जब संपूर्ण कैबिनेट महिला नेतृत्व में कार्य करेगी। उन्होने कहा कि ग्रुप सदस्य एवं रीजन अध्यक्ष अनिल ठोरा के मार्गदर्शन में टीम संगठन को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ेगी।

कार्यक्रम में सुनीता ठोरा एवं स्वप्निल कोटिया द्वारा निर्मित रंगोली ने सभी का ध्यान खींचा। ध्वजारोहण के पश्चात सुनीता ठोरा, सीमा बागड़िया एवं संध्या बरमूंडा ने सामूहिक रूप से ध्वज गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुरेश-सुषमा हरसोरा द्वारा मंडप उद्घाटन के साथ हुआ। समारोह में फेडरेशन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों मनोहर झांझरी (राष्ट्रीय अध्यक्ष), विनय जैन (राष्ट्रीय महासचिव), आश्विन कासलीवाल (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष), आशीष सुतवाला (अध्यक्षीय सलाहकार), सुरेंद्र पंड्या एवं सुरेश चांदवाड़ (राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष),अनिल ठोरा (रीजन अध्यक्ष) शामिल रहे।

कार्यक्रम का संचालन नवीन जैन एवं श्वेता जैन ने किया। अंत में रीजन सचिव पीयूष जैन ने आभार प्रकट किया।

अकलंक कॉलेज की एपीएल क्रिकेट लीग संपन्न, बीए टीम बनी विजेता

दो दिवसीय एपीएल टूर्नामेंट संपन्न, बीए टीम ने जीती ट्रॉफी

स्मार्ट हलचल|कोटा

अकलंक कॉलेज, बसंत विहार द्वारा आयोजित क्रिकेट प्रीमियर लीग (एपीएल) का दो दिवसीय आयोजन आर.ए.सी. खेल मैदान में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. साकेत गोयल रहे। अकलंक एसोसिएशन के अध्यक्ष पीयूष जैन, सचिव अनिमेष जैन, कोषाध्यक्ष कपिल जैन,पूर्व अध्यक्ष विकास जैन अजमेरा, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ललित कुमार शर्मा एवं कार्यक्रम संयोजक ओ.पी. राजपुरोहित ने मुख्य अतिथि का उपर्णा पहनाकर स्वागत किया।

उद्घाटन अवसर पर अध्यक्ष पीयूष जैन ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम हैं। इससे अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और सकारात्मक सोच का विकास होता है।वही सचिव अनिमेष जैन ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं युवाओं को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, सहयोग और आत्मविश्वास की भावना से जोड़ती हैं।

मुख्य अतिथि डॉ. साकेत गोयल ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल को खेल

भावना से खेलना चाहिए और हार-जीत को समान भाव से स्वीकार करना चाहिए।

फाइनल मुकाबला बीए एवं बीसीए तृतीय सेमेस्टर के बीच खेला गया, जिसमें बीए टीम ने 43 रन से जीत दर्ज की। फाइनल में विशाल सिंह मैन ऑफ द मैच रहे। बेस्ट बैट्समैन का पुरस्कार अनिरुद्ध माहेश्वरी, जबकि बेस्ट बॉलर एवं मैन ऑफ द सीरीज का सम्मान विशाल सिंह को प्रदान किया गया।

प्रतियोगिता का समापन मंगलवार को आयोजित समारोह में हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि पवन जैन (आर.ए.सी. कमांडेंट) रहे। अध्यक्ष पीयूष जैन, सचिव अनिमेष जैन एवं कार्यकारिणी सदस्य विकास जैन ने उनका स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।अंपायर की भूमिका पुरुषोत्तम शर्मा एवं सत्यनारायण ने निभाई। कार्यक्रम संयोजक ओ.पी. राजपुरोहित ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

अरावली संरक्षण को लेकर विशाल जनआंदोलन, कलेक्ट्रेट का घेराव कर ज्ञापन सौंपा

रैली विभिन्न मार्गों से होते हुए कलेक्ट्रेट परिसर पहुंची

स्मार्ट हलचल

अजमेर। अरावली पर्वतमाला के संरक्षण को लेकर अजमेर में मंगलवार को व्यापक जनआंदोलन देखने को मिला। अरावली बचाओ अभियान के तहत 12 से अधिक स्कूलों और कॉलेजों के छात्र-छात्राओं के साथ विभिन्न सामाजिक, पर्यावरणीय और जनसंगठनों ने मिलकर रैली निकाली और कलेक्ट्रेट का घेराव किया। इस दौरान अरावली को बचाने की मांग को लेकर नारेबाजी की गई और राष्ट्रपति के

नाम ज्ञापन सौंपा गया।

रैली की शुरुआत आजाद पार्क से हुई, जो शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई कलेक्ट्रेट परिसर पहुंची। हाथों में तख्तियां लिए छात्रों और प्रदर्शनकारियों ने अरावली बचाओ, खनन बंद करो, प्रकृति बचाओ, भविष्य बचाओ जैसे नारे लगाए। कलेक्ट्रेट पर पहुंचने के बाद प्रदर्शनकारियों ने जिला कलेक्टर लोकबंधु के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम संयुक्त ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में अरावली पर्वतमाला के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर देते हुए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा की गई अरावली की नई परिभाषा को निरस्त करने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 20 नवंबर को दिए गए निर्णय में अरावली को परिभाषित करते हुए इसकी ऊंचाई 100 मीटर से अधिक और 500 मीटर विस्तार के दायरे में सीमित करने की बात कही गई है। वर्तमान में इस निर्णय पर भले ही रोक लगी हुई है लेकिन अरावली को सीमित करने का यह प्रयास पर्यावरण की दृष्टि से अत्यंत चिंताजनक है।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यदि इस परिभाषा को लागू किया गया तो अरावली क्षेत्र के लगभग 90 प्रतिशत हिस्से में खनन को प्रशासनिक स्वीकृति मिल सकती है। इससे न केवल पर्यावरणीय असंतुलन बढ़ेगा, बल्कि भूजल स्तर, जैव विविधता और स्थानीय जलवायु पर भी गंभीर प्रभाव पड़ेगा। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि अरावली पर्वतमाला की कुल 1281 पहाड़ियों में से केवल 1048 ही इस परिभाषा के अनुसार पहाड़ी मानी जाएंगी, जिससे शेष क्षेत्र खनन और अतिक्रमण के लिए खुला रह जाएगा। अरावली बचाओ अभियान से जुड़े वक्ताओं ने कहा कि अरावली पर्वतमाला लाखों वर्षों से इस धरती पर विद्यमान है और यह उत्तर भारत के पर्यावरण संतुलन के लिए जीवनरेखा की तरह है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से अपील की कि अरावली की मूल भौगोलिक और ऐतिहासिक पहचान को ध्यान में रखते हुए इसके संरक्षण के लिए ठोस और स्थायी कदम उठाए जाएं। वैसे तो प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि अरावली के संरक्षण को लेकर ठोस निर्णय नहीं लिए गए, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

108 एम्बुलेंस में गूंजी किलकारी

स्मार्ट हलचल

बानसूर। चिकित्सालय में चिकित्सा कर्मियों की लापरवाही एक महिला की जान पर भारी पड़ सकती थी। रात्रि 10:00 बजे प्रसव पीड़ा से जूझ रही महिला को चिकित्सकों ने कोटपूतली के लिए रेफर कर दिया। बीच रास्ते में महिला के प्रसव पीड़ा शुरू हो गई और महिला ने एक बच्चे को जन्म दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मरीज आरती उम्र 23 साल पति का नाम राकेश गांव का नाम पार्वती का मंदिर होलावास बानसूर निवासी जिसको बानसूर से कोटपूतली के लिए रेफर किया था। रेफर करने के बाद गाड़ी रवाना होती है। मात्र 10 मिनट के बाद बीच रास्ते में प्रसव पीड़ा ज्यादा होने पर 108 एंबुलेंस स्टाफ श्रवू मनोज

यादव,पायलट रणवीर सिंह ने अपनी सूझबूझ से बीच रास्ते में एंबुलेंस रोककर सकुशल डिलीवरी करवाई। एक बच्ची को जन्म दिया जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ है। जिनको जिला चिकित्सालय बीडीएम अस्पताल मे भर्ती करवाया गया।

ग्राम पंचायत ने कीर समाज भूमि का पट्टा दूसरे के नाम जारी करने के विरोध में तहसीलदार दिया ज्ञापन

पट्टे को निरस्त नहीं किया तो कीर समाज ने आंदोलन की दी चेतावनी

स्मार्ट हलचल

नगरफोर्ट। कीर समाज के दर्जनों महिला पुरुषों ने उनकी पंचायती भूमिका दूसरे के नाम पट्टा जारी करने के विरोध में तहसीलदार एवं ग्राम पंचायत प्रशासक नगरफोर्ट को ज्ञापन पेश करके जारी पट्टी को निरस्त करने की मांग की है। और पट्टा निरस्त नहीं करने पर आंदोलन की धमकी दी है।

नगरफोर्ट के कीर समाज द्वारा तहसीलदार नगरफोर्ट व ग्राम पंचायत प्रशासक को दिए गए ज्ञापन में बताया गया है कि उनके समाज की पंचायती भूमि कीरो का मोहल्ला, पशु अस्पताल के पास स्थित है जिसे कीर समाज का सामाजिक नोहरा के नाम से जाना जाता है तथा जहां समाज द्वारा लगभग 10 वर्ष पूर्व नीव निर्माण मय धासे तक करवाया हुआ है।

यह भूमि कीर समाज के पूर्वजों के समय से समाज आधिपत्य में ही और समाज पंचायत व मीटिंग यहीं पर होती थी। जिसके पट्टे के लिए कीर समाज द्वारा ग्राम पंचायत नगरफोर्ट में आवेदन किया जा चुका है। परंतु उक्त नोहरे के पीछे की भूमि का पट्टा ग्राम पंचायत द्वारा किसी अन्य व्यक्ति को जारी किया जा चुका है, जो उक्त भूमि पर निर्माण कार्य कर रहा है और हमारे समाज के नोहरे को भी अपने अधीनस्थ कर समाज को नोहरे से बेदखल करना चाह रहा है जिससे समाज में भयंकर नाराजगी है और मौके पर कानूनी व्यवस्था खराब होने की स्थिति पैदा हो गई है।ज्ञापन में कीर समाज ने उनकी पंचायती भूमि पर दूसरे व्यक्ति के नाम जारी किए गए पट्टे को निरस्त कर समाज द्वारा पट्टे के आवेदन पर यथा शीघ्र जारी करते हुए, गलत तरीके से जारी किए गए पट्टे पर किसी भी प्रकार के निर्माण कार्य पर प्रतिबंधित लगाने की मांग कि है क्योंकि यह भूमि कीर समाज की धार्मिक एवं सामाजिक पहचान का केंद्र है, इसे संरक्षित किया जाना समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है।

इस दौरान भाजपा बूथ अध्यक्ष अध्यक्ष नीमलाल कीर पूर्व वार्ड पंच सत्यनारायण कीर प्रकाश कीर नंदलाल कीर महावीर डीआर कचनार कीर गणपत कीर लादू लाल कीर मोहन कीर मेंबर प्रहलाद कीर गीता देवी रुकमा मनभर देवी भूरी देवी सीता देवी भूरी देवी चोथी सोजी लाल कीर रमेश कीर कालु कीर बनवारी शंकर सीताराम सहित समाज के लोग मौजूद थे।

मकर संक्रांति पर 12वाँ रक्तदान शिविर - जिला कलेक्टर ने किया पोस्टर विमोचन

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। मानव सेवा संकल्प द्वारा मकर संक्रांति (14 जनवरी 2026) के पावन अवसर पर आयोजित होने वाले 12वें विशाल रक्तदान शिविर के शुभारंभ की तैयारियाँ पूर्ण हो चुकी हैं। इस महत्वपूर्ण अवसर पर जिला कलेक्टर कमलराम मीणा ने रक्तदान शिविर के आकर्षक एवं संदेशात्मक पोस्टर का विधिवत विमोचन किया तथा शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में पधारने की सहमति प्रदान की।

पोस्टर विमोचन के दौरान जिला कलेक्टर कमलराम मीणा ने रक्तदान के महत्व पर एक अत्यंत प्रेरक संदेश देते हुए कहाः

'मकर संक्रांति का पावन पर्व सूर्य के उत्तरायण होने का प्रतीक है, जो नई ऊर्जा, नई शुरुआत और जीवन की गति का संदेश देता है। रक्तदान भी ठीक इसी तरह है - यह जीवन की नई शुरुआत देता है। एक स्वस्थ व्यक्ति का रक्तदान तीन लोगों की जान बचा सकता है। मैं सभी ब्यावर वासियों से अपील करता हूँ कि फतेहपुरिया बगीची में आयोजित इस 12वें रक्तदान शिविर में अवश्य पहुँचें, रक्तदान करें और इस पावन पर्व पर पुण्य अर्जित करें। आपका यह छोटा सा योगदान किसी परिवार के लिए बहुत बड़ी उम्मीद बन सकता है। '

संस्था के प्रणेता एडवोकेट अजय शर्मा ने

जिला कलेक्टर कमलराम मीना को मानव सेवा संकल्प की सेवा यात्रा से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि मानव सेवा संकल्प पिछले कई वर्षों से निरंतर सामाजिक सेवा में सक्रिय है। हमने अब तक 11 सफल रक्तदान शिविर आयोजित किए हैं, जिनमें हजारों यूनिट रक्त संग्रहित कर अस्पतालों एवं जरूरतमंद मरीजों तक पहुँचाया गया है। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, वृद्धाश्रम सहायता एवं आपदा राहत जैसे कार्यों में भी योगदान दे रहे हैं। कल का यह 12वाँ शिविर हमारी सेवा यात्रा की एक और महत्वपूर्ण कड़ी है। '

शिविर संयोजक श्री मुकेश गर्ग ने कल होने वाले शिविर की तैयारियों की विस्तृत जानकारी देते हुए कहाः 'सभी व्यवस्थाएँ अंतिम रूप ले चुकी हैं। रक्तदाताओं की सुविधा के लिये प्रशिक्षित चिकित्साकर्मी, स्वयंसेवक दल, आधुनिक रक्त संग्रहण उपकरण, पेयजल, एवं पूरी स्वच्छता-सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। संयोजक श्री दीपक रांकावत ने कहाः 'हमने स्कूल-कॉलेजों, महिला समूहों, विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं आम जन तक व्यापक जागरूकता अभियान चलाया है। हमारी ब्यावर वासियों से अपील है कि सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक फतेहपुरिया बगीची पहुँचकर रक्तदान करें। यह पावन अवसर जीवनदान के साथ-साथ पुण्य अर्जित करने का भी सुनहरा अवसर है।'

इस अवसर पर ओमप्रकाश गर्ग, विजय तंवर अजय गोयल, अभिषेक जैन सहित संस्था के प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे ।

कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका गांधी का जन्मदिन मनाया

एनएसयूआई अध्यक्ष मैक्स ने केक काट कर मनाया

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/ अजमेर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं लोकसभा सांसद श्रीमती प्रियंका गांधी के जन्मदिन पर पुष्कर एनएसयूआई अध्यक्ष मधुसूदन मैक्स पाराशर के नेतृत्व मे धूम धाम से मनाया गया । इस मौक़े पर कई धार्मिक आयोजन के साथ नगर के वृद्धाश्रम जाकर वृद्धों के साथ केक काटकर मिठाई व फल वितरित किये।मैक्स ने श्रीमती प्रियंका गाँधी वाड्रा की। ईश्वर से उत्तम स्वास्थ्य एवं लंबी आयु की कामना की गई। कार्यक्रम में हेमंत गुर्जर, किशन घारु, विनय कुमार, शुभम घारु, गोविंद घारु, गोविंद राठौड़, पंकज, रमेश, राज घारु, सुनील आदि युवा आयोजन मे उपस्थित थे।

सावर एसडीएम डॉ. नेहा राजपूत का नापाखेड़ा विद्यालय में औचक निरीक्षण

मिड-डे मील की गुणवत्ता परखी, व्यवस्थाओं पर जताया संतोष

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। उपखंड क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नापाखेड़ा (गिरवरपुरा) का सावर उपखंड अधिकारी डॉ. नेहा राजपूत ने मंगलवार को औचक निरीक्षण कर शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय में संचालित मिड-डे मील योजना के अंतर्गत तैयार किए जा रहे पोषाहार को स्वयं चखकर उसकी गुणवत्ता की जांच की तथा पोषाहार सामग्री का सूक्ष्म अवलोकन किया।

एसडीएम डॉ. राजपूत ने विद्यालय की खेल सामग्री, राज्य सरकार द्वारा

संचालित विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं से संबंधित अभिलेखों, तथा विद्यालय परिसर की स्वच्छता एवं साफ-सफाई व्यवस्था की भी विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर छात्राओं द्वारा बनाई गई चित्रकला प्रतियोगिता की पेंटिंग्स को देखकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनकी रचनात्मक प्रतिभा की विशेष सराहना की।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य दुर्गा मीणा एवं उप प्रधानाचार्य कमल सिंह मीणा के नेतृत्व में उपखंड अधिकारी का आत्मीय स्वागत किया गया। प्रधानाचार्य दुर्गा मीणा ने पुष्प भेंट एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उपखंड अधिकारी का सम्मान किया।

विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक लादूलाल मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि उपखंड अधिकारी महोदया ने विद्यालय की सुव्यवस्थित शैक्षणिक गतिविधियों, अनुशासित वातावरण एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को देखकर संतोष व्यक्त किया।

निरीक्षण के दौरान पोषाहार प्रभारी अनिल त्रिपाठी, बीएलओ रामलाल मीणा, वीरेंद्र विक्रम सिंह, वरिष्ठ सहायक भोजराज सैनी, छात्रवृत्ति प्रभारी सरोज मीणा, वरिष्ठ अध्यापक खेमराज मीणा, रोशन लाल मीणा, सोकीना राम, अध्यापिका स्वाति मीणा, भंवर गुर्जर, शकीला मंसूरी, गोपाल कुमावत सहित समस्त विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। अंत में प्रधानाचार्य दुर्गा मीणा ने उपखंड अधिकारी डॉ. नेहा राजपूत का आभार व्यक्त किया।

मेरा शहरः मेड़ता रोड शहर छोटा, लेकिन दिल बड़े

स्मार्ट हलचल | एजाज़ उस्मानी

मेरा शहर मेड़ता रोड राजस्थान के नागौर ज़िले में स्थित एक शांत, सरल और आत्मीय नगर है। यह शहर अपनी सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक सौहार्द और रेल संपर्क के लिए जाना जाता है। मेड़ता रोड भले ही आकार में बड़ा न हो, लेकिन यहाँ के लोगों के दिल बहुत बड़े हैं।

मेड़ता रोड का नाम सुनते ही सबसे पहले रेलवे जंक्शन का ध्यान आता है। यह शहर रेल मार्ग के कारण राजस्थान के कई प्रमुख शहरों से जुड़ा हुआ है, जिससे व्यापार और आवागमन में सुविधा होती है। रेलवे ने इस शहर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यहां पर स्थित बृहमाणी माता मन्दिर,जैन समुदाय का पार्श्वनाथ तीर्थ स्थल,फ़ज़लुर्रहमान उर्फ चंगा बाबा की दरगाह शहर की हृदय स्थली पर बना जबरेश्वर महादेव मंदिर और बृहमाणी तालाब पर हाल ही में बना सर्वेश्वर महादेव मंदिर भी अपने आप में एक बड़ी मिसाल हैं।इन सभी स्थानों पर प्रदेशभर से प्रतिदिन हजारों लोग दर्शन करने आते हैं जिसके कारण शहर की रोनक और अधिक बढ़ जाती है।

यहाँ का जीवन सरल और सादा है। लोग एक-दूसरे को जानते हैं, सुख-दुख में साथ खड़े रहते हैं। सुबह की शुरुआत चाय की दुकानों की चहल-पहल से होती है और शाम को बाज़ारों में रौनक दिखाई देती है। यहाँ के बाज़ार छोटे होते हुए भी रोज़मर्रा की ज़रूरतों को पूरा करते हैं।

मेड़ता रोड के लोग मेहनती और ईमानदार हैं। यहाँ विभिन्न समुदायों के लोग मिल-जुलकर रहते हैं, जिससे भाईचारे की भावना मजबूत होती है। त्योहारों के समय शहर रंग-बिरंगी रोशनी और खुशियों से भर जाता है।

शिक्षा और जागरूकता भी धीरे-धीरे बढ़ रही है। स्कूल तथा अन्य संस्थान बच्चों के भविष्य को संवारने में योगदान दे रहे हैं। हालाँकि शहर में अभी तक आगे की पढ़ाई के लिए कॉलेज नहीं है फिर भी यहां के बच्चे मेड़ता सिटी,जोधपुर, जयपुर,सीकर आदि जैसे बड़े शहरों में जाकर आगे की पढ़ाई कर रहे हैं।मेरा शहर पहले ग्राम पंचायत था लेकिन अभी हाल ही में लगभग दो वर्ष पूर्व यहां के स्थानीय विधायक लक्ष्मणराम कलरु ने मेरे शहर को नगर पालिका का दर्जा दिलवाया। हालांकि मेरे शहर में पहले विकास कम था लेकिन अब विकास धीरे धीरे विकास होने लगा है और आगे भी विकास की संभावनाएँ हैं, फिर भी मेड़ता रोड अपनी सादगी और अपनापन के लिए खास है।

कुल मिलाकर, मेड़ता रोड सिर्फ एक शहर नहीं बल्कि लोगों की भावनाओं, रिश्तों और यादों का संगम है। मुझे अपने इस शहर पर गर्व है, क्योंकि इसकी मिट्टी में अपनापन और संस्कार बसे हुए हैं।

विधि विद्यार्थियों ने की बीसीए की मान्यता दिलाने की मांग

चित्तौड़गढ़। स्थानीय विधि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बीसीए मान्यता दिलाने सहित विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर राज्यपाल के नाम प्राचार्य को ज्ञापन दिया।छात्र नेता अमित खटिक ने बताया कि पूर्ववृति कांग्रेस सरकार में चित्तौड़गढ़ को 2021-22 के बजट में विधि महाविद्यालय की सौगात मिली थी। ज्ञापन में छात्र छात्राओं ने बताया कि महाविद्यालय को RAJ-CES सोसायटी से हटाकर स्थाई BCA की मान्यता प्रदान कराई जाए। BCA की स्थाई मान्यता के अभाव में परीक्षा परिणाम एवं आगे की उच्च शिक्षा में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, यदि सरकारी एलएलबी की मान्यता मिल जाती है तो जिले में विधि शिक्षा का स्तर बढ़ेगा एवं विधि क्षेत्र में रुचि रखने वाले छात्र छात्राओं को शिक्षण संस्थान का लाभ प्राप्त होगा।

जवाहर फाउंडेशन के अध्यक्ष का 47 वॉ जन्मदिन धार्मिक कार्य के साथ मनाया

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/ अजमेर। जवाहर फाउंडेशन के अध्यक्ष रिजु भाई झुनझुनवाला का 47 वॉ जन्मदिन धार्मिक कार्य , गौशाला व डियर पार्क में हरा चारा वितरण कर सादगी के साथ मनाया गया ।

इस अवसर पर जवाहर फाउंडेशन के अध्यक्ष ताराचंद गहलोत ने जानकारी देते हुए बताया कि महात्मा ज्योतिबा फूले राष्ट्रीय स्मारक पर प्रातः 11:00 साधु संतों को कंपकपाने वाली भीषण सर्दी को देखते हुए साधु संतों, कंबल वितरण कर पंचकुंड स्थित डियर पार्क व धार्मिक नगरी पुष्कर में स्थित विभिन्न गौशाला में गायों का हरा चारा वितरण व ब्रह्म सावित्री वेद विद्यापीठ के बटुकों को कम्बल वितरण कर सादगी के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीराम दरबार की तस्वीर पर जवाहर फाउंडेशन के अध्यक्ष ताराचंद गहलोत ने दीप प्रज्वलन कर किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता दामोदर मुखिया , राकेश सुभाष शर्मा अध्यक्ष ब्रह्म गायत्री सेवा संघ पुष्कर, शेषकरण भोमिया, पंडित कैलाशनाथ दाधीच, जगदीश कुड़िया, पुखराज दगदी, मालियान नवयुवक मंडल पुष्कर अध्यक्ष ताराचंद भाटी, खेमचंद उबाना, एडवोकेट विकास मुखिया, मुकेश फुलवारी, बंटी गहलोत, गजानंद दगदी, गोपाल गहलोत, मनोज दगदी द्वारा श्रीराम दरबार की तस्वीर पर पुष्पहार अर्पित कर मंगलाचरण किया । उल्लेखनीय है कि जवाहर फाउंडेशन की ओर से जगह-जगह स्वाभिमान भोजन के अंतर्गत राजस्थान में ग्यारह विभिन्न स्थानों पर चल रहे रसोईशाला में सिर्फ 1 में भरपेट भोजन परोसा जा रहा है जो करीब पिछले 7 वर्षों में 31 लाख से अधिक स्वाभिजनों को परोसा गया है ।

संस्था द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु 7 वर्षों में करीब अजमेर जिले में लाखों पौधों का वितरण व रोपण किया गया है ।साथ ही निराश्रितों व असहायों की सेवा का कार्य जारी रहेगा।

केडीए की छठी बैठक में अहम फैसले, आमजन को राहत

स्मार्ट हलचल| कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) की छठी बैठक में सेवाओं के सरलीकरण एवं आमजन को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक प्राधिकरण के अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में दिनांक 13 जनवरी 2026 को आयोजित की गई। बैठक में ऑनलाइन नामांतरण प्रक्रिया को और अधिक सरल करते हुए यह निर्णय लिया गया कि अब आवेदकों से उनके आवास अथवा भूखंड के फोटोग्राफ नहीं लिए जाएंगे। राज्य सरकार के निर्देशानुसार अब केवल वैध दस्तावेजों के आधार पर ही नामांतरण की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी।

प्राधिकरण की आगामी नवीन योजनाओं में लॉटरी आवंटन से पूर्व मौके पर भूखंडों का डिमार्केशन किए जाने तथा प्रस्तावित भूमि पर किसी प्रकार के न्यायालयीन स्थगन (कोर्ट स्टे) अथवा अतिक्रमण नहीं होने की सुनिश्चितता करने का भी निर्णय लिया गया, जिससे आवंटियों को भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

बैठक में निर्माण अवधि शास्ति की दरों को राज्य सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार निर्धारित करने का निर्णय लिया गया। इसके अंतर्गत निर्माण अवधि शास्ति की दरें 0.25 प्रतिशत, 0.50 प्रतिशत एवं 0.75 प्रतिशत प्रति वर्ष निर्धारित की गई हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न योजनाओं में लंबे समय से खाली पड़े भूखंडों के कारण उत्पन्न जलभराव, गंदगी एवं कचरे की समस्या को गंभीरता से लेते हुए संबंधित भूखंडधारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। ऐसे भूखंडधारियों को प्राधिकरण द्वारा 15 दिवस का नोटिस जारी किया जाएगा, जिसके अंतर्गत उन्हें अपने भूखंड की साफ-सफाई एवं समतलीकरण कर प्राधिकरण को सूचित करना होगा। निर्धारित अवधि में कार्रवाई नहीं होने पर आवंटन निरस्त किया जा सकेगा। आवंटियों को आ रही व्यावहारिक परेशानियों को ध्यान में रखते हुए यह भी निर्णय लिया गया कि लीज डीड जारी करते समय ही निर्माण स्वीकृति एवं कब्जा पत्र भी जारी किए जाएंगे, जिससे प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो।

बैठक में प्राधिकरण की आयुक्त ममता तिवारी, सचिव मुकेश कुमार चौधरी, उपायुक्त मालविका त्यागी एवं हर्षित वर्मा, नियोजन सलाहकार संदीप दंडवते, निदेशक वित्त डॉ. नीतू सिंह, निदेशक अभियांत्रिकी रविन्द्र माथुर, निदेशक विधि राजीव गर्ग, निदेशक नियोजन भूपेश मालव, राजस्व सलाहकार परमानन्द गोयल, अधीक्षण अभियंता सागर मीना, अजय शर्मा, सुमित चित्तौड़ा, आयुक्त नगर निगम कोटा, उप आवासन आयुक्त आवासन मंडल सहित जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, रीको, पीडब्ल्यूडी, नगर निगम आदि विभागों के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com